छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 15 ■ अंक - 293 ■ अम्बिकापुर, मंगलवार 19 नवम्बर 2024 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

शहर के हृदयस्थल में स्थित नपं उपाध्यक्ष के आवास से 15 लाख नगद सहित 5 लाख के जेवरात की चोरी

गल्ला दुकान का चाभी भी ले गए थे चोर, पुलिस ने रात भर पहरा बिठाया

छ.ग.फ्रंटलाइन

सीतापुर। नगर पंचायत सीतापुर के उपाध्यक्ष के सूने मकान का ताला तोड़कर चोरों ने 15 लाख रुपये नगद और लगभग पांच लाख रुपये के जेवरातों पर हाथ साफ कर दिया। मुख्य मार्ग, एनएच 43 में हुई चोरी की इस वारदात से हरकत में आई पुलिस मौके पर पहुंची और हरसंभव स्थानों पर प्वाइंट लगाकर चोरों के तलाश में जुट गई है। घटना के समय नपं उपाध्यक्ष एक विवाह समारोह में शामिल होने गए थे। संभावना है कि चोर छत के रास्ते से प्रवेश करके घटना को अंजाम दिए होंगे। चोर गल्ले के दुकान का चाभी भी साथ ले गए थे। इसके कारण पुलिस ने उक्त दुकान को पूरी रात निगरानी में रखा था, जिस कारण यहां चोरी का मंसूबा विफल हो गया।

जानकारी के मुताबिक सरगुजा जिले के सीतापुर में एनएच-43 में नगर पंचायत उपाध्यक्ष परमेश्वर गुप्ता का मकान है। रविवार को वे सपरिवार अपने रिश्तेदार के यहां शादी कार्यक्रम में शामिल होने गुतुरमा गए थे। इसी दौरान सूने मकान में घुसे चोरों ने 10 लाख रुपये नगदी और 4 से 5 लाख रुपये के जेवरातों की चोरी कर ली। नगर पंचायत उपाध्यक्ष देर रात 12 बजे जब अपने घर वापस लौटे तो बाहर लगा ताला पूर्ववत बंद था। अंदर जाने पर सामानों को अस्त-व्यस्त देखकर सभी के होश उड़ गए। चोरों ने पीछे के दरवाजे को सब्बल से तोड़ने का प्रयास किया था। छत का दरवाजा भी क्षतिग्रस्त था। चोरों ने आलमारी सहित एक-एक सामानों को खंगाल डाला था। आलमारी के दराज में रखा नगदी और सोने-चांदी का जेवरात गायब था। इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान सामने आया कि घर में रखा गल्ले के दुकान का चाभी गायब है। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस टीम उनके गल्ले के दुकान के पास पहरे में जुट गई, जिससे वहां चोरी की वारदात नहीं हो पाई। चोरों की तलाश के लिए पुलिस ने डॉग स्क्वाड का सहारा लिया और सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुट गई है।

पुलिस की पेट्रोलिंग सवालों के घेरे में चोरी की जहां वारदात हुई वह मकान शहर के बीचों-बीच, कहा जाए तो हृदयस्थल पर स्थित है। नगर पंचायत उपाध्यक्ष परमेश्वर गुप्ता का कहना है कि शहर के बीच के मकान को चोरों ने टारगेट बना लिया, इस दौरान पुलिस की रात्रि गश्त पर निकलने वाली पेट्रोलिंग टीम कहां थी। पुलिस की निष्क्रियता के कारण सीतापुर में पहले भी कई बड़ी चोरी की वारदातें हो चुकी हैं, इसका पर्दाफास पुलिस नहीं कर पाई है। चोरी की इस घटना से नगरवासियों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

“ सीतापुर पुलिस की टीम डॉग स्क्वॉड और साइबर टीम की मदद से अज्ञात चोरों की पहचान करने में जुटी है। चोरों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

-अमोलक सिंह ढिल्लो
अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक
सरगुजा

जिला बदर का आरोपी घूम रहा था शहर में, पुलिस ने गिरफ्तार करके भेजा जेल

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। जिला बदर के आदेश का उल्लंघन कर जिले में बिना वैध अनुमति प्रवेश करने वाले आरोपी के विरूद्ध थाना मणीपुर पुलिस टीम ने बाबूपारा नवासी आदित्य यादव उर्फ़ लल्ला को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को जिला दंडाधिकारी सरगुजा ने 01 वर्ष के लिए सरगुजा जिला सहित अन्य आसपास के 05 जिलों से जिला बदर किया था। आरोपी के विरुद्ध धारा 223 बीएनएस एवं छ.ग. राज्य सुरक्षा अधिनियम की धारा 14 के तहत कार्रवाई की गई है।

जानकारी के मुताबिक 18 नवम्बर को थाना मणीपुर पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि जिला बदर किया गया व्यक्ति बाबुपारा मणीपुर निवासी आदित्य यादव उर्फ़ लल्ला शहर के आसपास घूम रहा है। सूचना पर पुलिस टीम त्वरित कार्रवाई करते हुए बाबुपारा बीएसएनएल ऑफिस के पास पहुंची तो आदित्य यादव उर्फ़ लल्ला पिता सुदामा यादव 25 वर्ष मिला। आरोपी के पास जिला बदर होने के बावजूद प्रतिबंधित जिलों में प्रवेश करने के लिए पुर्वानुमति व वैध दस्तावेज नहीं था। जिला दण्डाधिकारी सरगुजा के आदेश की अवहेलना कर जिला बदर होने के बावजूद बिना वैध अनुमति जिला प्रवेश कर जिले में घूमते पाए जाने पर आरोपी के विरुद्ध थाना मणीपुर में धारा 233 बीएनएस एवं छ.ग. राज्य सुरक्षा अधिनियम की धारा 14 का अपराध पंजीबद्ध कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी मणीपुर से उपनिरीक्षक अखिलेश सिंह, सहायक उपनिरीक्षक बबलू कुजूर, प्रधान आरक्षक सतीश सिंह, आरक्षक अतुल शर्मा, कुश सोनी शामिल रहे।

अवकाश का उपभोग करके जेल नहीं लौटा बंदी, एक और केस दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। केन्द्रीय जेल अंबिकापुर में निरूद्ध बंदी के द्वारा अवकाश का उपभोग करके जेल वापस नहीं आने के मामले में कोतवाली पुलिस ने जेल प्रहरी के द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट पर आरोपी के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। कार्यालय अधीक्षक केन्द्रीय जेल अंबिकापुर की ओर से दिए गए आवेदन में पुलिस को दण्डित बंदी क्रमांक 115/65 सिराज पिता स्व. नूर मोहम्मद 40 वर्ष के विरूद्ध आपात अस्थाई मुक्ति से फरार होने की प्रथम सूचना देते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। बताया गया है कि दण्डित बंदी मोमिनपुरा पर्राडांड़ जिलानी पेंटर गली अंबिकापुर का रहने वाला है, जिसे न्यायालय विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस के विशेष आपराधिक प्रकरण क्रमांक 17/2022, धारा 24-सी स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम 1985 के तहत दिनांक 29.9.2023 को 10 वर्ष कठोर कारावास एवं अर्थदण्ड की राशि एक लाख रुपये अदा नहीं करने पर 03 वर्ष अतिरिक्त कारावास की सजा से दण्डित किया गया है, जिसकी सजा वह जेल में रहकर भुगत रहा था। दण्डित बंदी को जिला दण्डाधिकारी सरगुजा के आपात, अस्थाई मुक्ति रिहाई आदेश दिनांक 29.10.2024 के परिपालन में 30.10.2024 को 10 दिवस हेतु आपात अस्थाई मुक्ति पर रिहा किया गया। दण्डित बंदी सिराज को इसके बाद 10 नवम्बर को शाम 5 बजे, जेल बंद होने के पूर्व उपस्थित होना था, किन्तु वह आज दिनांक तक उपस्थित नहीं हुआ है। जेल नियमावली के बंदी छुट्टी नियम 1989 के शर्तों को भंग करने पर यह समझा जाता है कि वह निकल भागा है। ऐसे में जेल प्रबंधन की ओर से दण्डित बंदी के फरार होने की प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराते हुए उसे पुनः जेल दाखिल कराने का आग्रह किया गया है। बंदी के फरार रहने की जानकारी महानिदेशक जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं रायपुर व जिला दण्डाधिकारी सरगुजा को भी दी गई है।

छत्तीसगढ़ को कंपकपाने लगी शुष्क उत्तरी-पश्चिमोत्तरी हवाएं

■ **10 वर्ष के अंतराल में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के नीचे पहुंचा**

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। नवम्बर के मध्य में उत्तर भारत से निर्वाध रूप से आ रही शुष्क उत्तरी-पश्चिमोत्तरी हवाएं अब उत्तरी छत्तीसगढ़ को कंपकपाने लगी हैं। सोमवार को अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के नीचे दर्ज हुआ है। पिछले 4-5 दिनों से इस अंचल में शुष्क वायु प्रवाह व वायुमंडलीय नमी की कम होती मात्रा के कारण न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट हुई है। सोमवार को अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान 9.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, जो वर्तमान सीजन का अब तक का न्यूनतम है। नवम्बर के प्रारंभिक 18 दिनों के न्यूनतम तापमान के आंकड़ों में 10 वर्ष के अंतराल में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के नीचे पहुंचा है। पिछली बार वर्ष 2014 में 17 नवम्बर को 9.9 और 18 नवम्बर को न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। मौसम विभाग के द्वारा नवम्बर 2024 में हाल के चार दिनों में दर्ज किए गए तापमान पर नजर डालें तो 14 नवम्बर को अधिकतम तापमान 29.6 डिग्री सेल्सियस, न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री सेल्सियस, वर्षा 0.0 मिमी, 16 नवम्बर को अधिकतम तापमान 27.9 डिग्री सेल्सियस, न्यूनतम तापमान 10.1 डिग्री सेल्सियस, वर्षा 0.0 मिमी, 15 नवम्बर को अधिकतम तापमान 29.2 डिग्री सेल्सियस, न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री सेल्सियस, वर्षा 0.0 मिमी, 18 नवम्बर को अधिकतम तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस, न्यूनतम तापमान 09.7 डिग्री सेल्सियस, वर्षा 0.0 मिमी, 17 नवम्बर को अधिकतम तापमान 27.5 डिग्री सेल्सियस, न्यूनतम तापमान 10.6 डिग्री सेल्सियस व वर्षा 0.0 मिमी दर्ज किया है।

घर के सामने खड़ी बोलेरो वाहन में लगा दी आग, कैमरे में कैद हुई युवक की करतूत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नमनाकला मिलनपारा निवासी होटल संचालक ने बोलेरो वाहन में आग लगाने की नामजद रिपोर्ट कोतवाली थाना में दर्ज कराई है। घटना को 17 नवम्बर की रात करीब 1.50 बजे बरेजपारा, पर्राडांड निवासी एक युवक के द्वारा अंजाम देने की जानकारी पुलिस को दी गई है।

होटल संचालक सोबरन यादव पिता रामप्यारे 46 वर्ष ने पुलिस को बताया है कि वह नया बस स्टैंड में होटल का संचालन करता है। 16 नवम्बर को रात करीब 8 बजे वह अपनी बोलेरो वाहन क्रमांक सीजी 04 के 9138 को प्रतिदिन की भांति घर के सामने सड़क के किनारे खड़ा करके सो रहा था। देर रात करीब 1.50 बजे घर के बाहर टायर फटने व कुछ जलने का बदबू आने लगा। इसी दौरान घर के सामने स्थित श्याम लॉज के मालिक जितेन्द्र वैष्णव के द्वारा हल्ला करने पर वह अपने घर से बाहर निकला, तो उसकी बोलेरो वाहन जल रही थी। आसपास के लोग व घर वाले मिलकर बोलेरो वाहन में लगी आग को बुझाए। वाहन में आग लगने का कारण जानने का प्रयास करने के दौरान उन्होंने जब श्याम लॉज में लगे सीसीटीव्ही का फुटेज देखा तो एक लड़का बोलेरो वाहन में आग लगाते नजर आया। होटल संचालक के पुत्र ने उक्त लड़के की पहचान मुकेश यादव के रूप में की है, जो बरेजपारा पर्राडांड का रहने वाला बताया जा रहा है। घटना में बोलेरो वाहन बुरी तरह से जल गई है। रिपोर्ट पर पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज किया है और अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।

दो किसानों के खलिहान में लगी आग से लाखों का धान जलकर हुआ खाक

पचिरा व पतरापाली में हुई घटना, फायर बिग्रेड टीम की मदद से आग पर पाया गया काबू

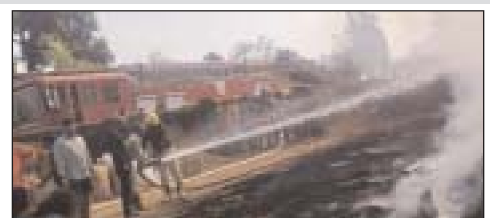

छ.ग.फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सोमवार को जिले के पचिरा व पतरपाली में किसानों के खलिहान में लगी आग से लाखो का धान जलकर खाक हो गया है। सूचना पर जिला अग्निशमन अधिकारी संजय गुप्ता के निर्देश पर तत्काल जिला मुख्यालय से पहुंची दमकल वाहन के सहयोग से आग पर तो काबू पा लिया गया मगर तब तक किसानों की मेहनत जलकर खाक हो गई। आगजनी की दोनों घटनाएं डेढ़ घण्टे के अंतराल में हुई है। जानकारी के मुताबिक जिला मुख्यालय से लगे ग्राम पचिरा में कृषक रामकुमार सोमवार को अपने खलिहान में थ्रेसर मशीन से धान की मिसाई करा रहे थे इसी दौरान अचानक धान से धुआ निकलते देख किसान कुछ समझ पाते इसके पहले ही धान व पैरा से आग की लपटें निकलने लगी। मौके पर मौजूद किसान व अन्य लोगो ने आग बुझाने का उपक्रम किया और सूचना जिला मुख्यालय में दी गई सूचना पर दमकल वाहन मौके पर पहुंची तब जाकर आग पर काबू पाया जा सका। दूसरी व बड़ी घटना जिले के रामानुजनगर क्षेत्र के ग्राम पतरापाली में हुई है। यहां भी किसान के खलिहान में बड़े पैमाने पर रखा धान जलकर खाक हो गया है। बताया गया है कि यहां के कृषक राजेश पटेल अपने मेहनत की उपज धान को। कटवा कर खलिहान में रखे थे। जहां भी थ्रेसर मशीन से धान के मिसाई का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक धान के गवाड़ में आग लग गई। मौके पर मौजूद किसान व अन्य कामगारों ने आग पर नियंत्रण पाने का भरसक प्रयास किया और इस बीच सूचना पर सूरजपुर से दमकल वाहन मौके पर पहुंची और घण्टे की मसक्कत के बाद आग पर तो काबू पा लिया गया मगर लाखो का धान जलकर खाक हो गया। आगजनी की सूचना पर राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर नुकसानी का आंकलन कर रही है। जानकारों की माने तो आगजनी की उक्त दोनों घटनाएं शार्ट सर्किट से हुई होगी जो धान मिसाई के कार्य मे लगे थ्रेसर के गर्म होने के कारण हुई होगी। कारण चाहे जो भी हो मगर इस आगजनी की घटना से किसानों की मेहनत और उससे लगी उनकी उम्मीदें धान के रूप में जलकर खाक हो गई है। आग पर काबू पाने में फायर ब्रिगेड टीम के मुकेश शर्मा, संतोष शर्मा, बिजेंद्र, कवल, शिवप्रसाद, उज्जैनसिंह, सुखल, विजय, रविशंकर आदि सक्रिय रहे।

राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में भाग लेने नर्मदापुरम पहुंची छत्तीसगढ़ की टीम

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। राष्ट्रीय शालेय शतरंज एवं बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम में 17 से 21 नवंबर तक किया जा रहा है। इसमें छत्तीसगढ़ की 17 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिका की टीम भाग ले रही है, जबकि 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग की बालक एवं बालिका की टीम बैडमिंटन प्रतियोगिता में भाग ले रही है। इन दोनों ही टीम का प्रशिक्षण शिविर 12 से 14 नवंबर तक अंबिकापुर में आयोजित किया गया था। छत्तीसगढ़ टीम के जनरल आनंदधर दीवान बनाए गए हैं। छत्तीसगढ़ शतरंज टीम के प्रशिक्षक शेष रतन जायसवाल एवं मैनेजर निर्मला यादव हैं। बैडमिंटन टीम के प्रशिक्षक पवनित गिल एवं युवराज साहू हैं, मैनेजर नूरजहा हैं। नर्मदापुरम जाने से पहले जिला कलेक्टर भोस्कर विलास संदीपन ने खिलाड़ियों से मिलकर उन्हें शुभकामनाएं दी।

टामन सिंह सोनवानी गिरफ्तार

रायपुर। सीजीपीएससी घोटाले मामले में टामन सिंह सोनवानी और बजरंग पावर के डॉयरेक्टर श्रवण कुमार गोयल को सीबीआई ने गिरफ्तार किया है। सोनवानी पूर्व आईएएस एवं पीएससी के अध्यक्ष रहे। पीएससी में धांधली कर सोनवानी के रिश्तेदारों चयन की शिकायत थी। मामले में भाजपा के नेता और पूर्व विधायक ननकी राम कंवर ने हाईकोर्ट में एक याचिका भी पेश की थी। टामन सिंह सोनवानी के अलावा पीएससी के सचिव रहे जीवन किशोर ध्रुव पर पीएससी में भाई भतीजा वाद के आरोप लगे थे। ननकी राम कंवर ने 18 अभ्यर्थियों की सूची उपलब्ध करवाई थी। सोनवानी ने अपने बेटे बेटी के अलावा भतीजा बहू एवं अन्य रिश्तेदारों को डिप्टी कलेक्टर डीएसपी एवं आबकारी अधिकारी जैसे बड़े पदों पर नियुक्ति दी थी इसके अलावा तत्कालीन राज्यपाल के सचिव रहे अमृत खलखो के बेटे बेटी और कांग्रेस नेताओं तथा अफसर के बच्चों के अवैध तरीके से चयन का आरोप लगा सीबीआई जांच की मांग की गई थी। विस चुनाव प्रचार के दौरान बिलासपुर के साइंस कॉलेज में हुई सभा में पहले नरेंद्र मोदी फिर अमित शाह ने पीएससी के गुनहगारों को नहीं बख्सने की बात कही थी।

शासकीय कर्मचारी संघ के दिनेश कश्यप संभागीय अध्यक्ष बने

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष जी.आर. चंद्रा द्वारा संविधान के प्रावधानों में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आगामी आदेश तक दिनेश कुमार कश्यप, स्टेनोग्राफर वर्ग-01 को सरगुजा संभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इन्हें सदस्यता अभियान चलाते हुए कार्यकारिणी का विधिवत विस्तार करने निर्देशित किया गया है।

राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक ने पीएमजीएसवाई के सड़क निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। सरगुजा जिले में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत परियोजना क्रियान्वयन इकाई क्रमांक 01 अम्बिकापुर के तहत पीएम-जनमन योजना के तहत स्वीकृत सड़कों की मानक मापदण्ड के अनुरूप गुणवत्ता के निरीक्षण हेतु एनआरआईडीए दिल्ली से राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक अजय कुमार राजू ने शनिवार को सड़कों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान तकनीकी मापदण्ड के सुझाव, गुणवत्ता की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता वाईके शुक्ला, सहायक अभियंता संदीप कुमार रवि, सहायक अभियंता सतीश कुमार एक्का एवं उप अभियंता सौरभ पाण्डेय, उप अभियंता कार्तिक केरकेट्टा एवं संबंधित ठेकेदार उपस्थित रहे। पीएम-जनमन योजना के कार्यों की जांच हेतु समय-समय पर राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षकों द्वारा जांच की जा रही है एवं राज्य गुणवत्ता समीक्षकों के द्वारा भी प्रत्येक माह गुणवत्ता की जांच की जा रही है।

शहर में यातायात अव्यवस्था बनता जा रहा बड़ा सरदर्द

छ.ग.फ्रंटलाइन

उमाकांत पांडेय. अंबिकापुर। बढ़ती और बेलगाम होती यातायात व्यवस्था इस शहर की सबसे बड़ी समस्या बनती जा रही है। ऐसा नहीं लगता है कि इस पर अब किसी का नियंत्रण रह गया है। यातायात प्रशासन द्वारा किए जा रहे तमाम प्रयासों के बाद भी बिगड़ती व्यवस्था पर कोई लगाम लगता नहीं दिख रहा है। शहर में रोज-ब-रोज भीड़ बढ़ती जा रही है, ऐसे में इस समस्या का समाधान निकालना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। इस समस्या की जड़ में कई कारक विद्यमान हैं। यदि इन कारकों को नियंत्रित कर लिया जाता है तो समाधान की दिशा में काफी हद तक बढ़ा जा सकता है।

पार्किंग व्यवस्था की अनदेखी

अंबिकापुर शहर में पार्किंग व्यवस्था की शुरू से ही जोर अनदेखी की जा रही है। कहने को तो पुलिस प्रशासन द्वारा समय-समय पर पार्किंग को लेकर दिशा निर्देश किया जाता है पर किसी ने इसकी परवाह की हो, देखकर ऐसा नहीं लगता है। शहर में सभी मुख्य मार्गों पर बड़े-बड़े मॉल दुकान खुल गए हैं। इसमें रोज बढ़ोतरी हो रही है। देखा जा सकता है कि ऐसे संस्थानों के पास पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं है। यहां उमड़ रही गाड़ियों का सारा दारोमदार सीधा सड़कों पर है। चाहे वह रिंग रोड हो, राजमार्ग हो या देवीगंज, सदर रोड, स्कूल रोड जैसे भीड़भाड़ भरे स्थान हों। खरीददारों की गाड़ियां कहीं भी खड़ी हो जाती हैं और लोग बेपरवाह भाव से अपने काम में मस्त रहते हैं। व्यवस्था के लिए तैनात पुलिस कर्मी भी सब समझते हुए लाचार भाव से इस दुर्व्यवस्था को देखते रह जाते हैं। हालात की गंभीरता को इससे भी समझा जा सकता है कि देवीगंज से सदर रोड, महामाया चौक, अग्रसेन चौक, गुरुनानक चौक, संगम चौक, ब्रम्ह मंदिर के पास दिन भर में कई बार कभी भी जाम की स्थिति बनती है। जाम की यह हालत अब मुख्य मार्गों से गलियों तक पसरने लगी है। स्कूल के समय में सबसे खराब हालत तो मनेन्द्रगढ़ रोड की हो जाती है, जब पैदल चलना भी दुश्वार हो जाता है।

बेलगाम ऑटो चालकों की रफ्तार

शहर में आज हजारों ऑटो रिक्शा, ई रिक्शा संचलित हैं। इनके चालकों में कितनी नागरिकता बोध है यह एक अलग प्रश्न है किन्तु इनकी बेलगामी कभी भी, कहीं भी देखी जा सकती है। तेज रफ्तार से, एक दूसरे से होड़ लेते हुए, जैसे ही किसी सवारी का इशारा पाते हैं, बिना किसी संकेत के ये अपना रिक्शा अचानक खड़ा कर देते हैं। अचानक इस क्रिया से कई बार दुर्घटना की स्थिति निर्मित हो जाती है। छोटी-मोटी घटनाएं तो आए दिन घटती रहती हैं, जिसे 'नो माइंड' वाले अंदाज में अनदेखा करके लोग अपनी-अपनी दिशा में बढ़ लेते हैं। यह मनमानी और अनदेखी कभी भी शहर में कोई बड़ी दुर्घटना में बदल सकती है। शहर के लिए यह कोई शुभ संकेत नहीं है। ऑटो की रफ्तार और मनमानी पर ब्रेक लगाने से भी यातायात अव्यवस्था में अंकुश की दिशा में एक कारगर एवं एहतियात भरा कदम हो सकता है।

मासूम हाथों में लोगों की जान

यातायात समस्या का एक बड़ा कारक अवयस्क, नाबालिगों द्वारा बेखौफ रफ्तार से गाड़ी चलाना भी है। वर्तमान में जितनी तेजी से आधुनिकता से परिपूर्ण गाड़ियां बाजार में आ रही हैं, इतनी ही संख्या में नाबालिगों के हाथों में ये गाड़ियां पहुंच रही हैं। एक तो यातायात नियमों से अनभिज्ञ दूसरी तरफ बेलगाम रफ्तार ऊपर से हमेशा तीन सवारी सामान्य बात है। ऐसे नाबालिग कभी भी भीड़भाड़ की परवाह नहीं करते हैं और न दी इन्हें किसी कार्रवाई का डर रहता है। प्रशासन यदि एक दिन ऐसे मासूम चालकों के खिलाफ अभियान चलाकर देखे तो यकीनन दंग रह जाएंगे। लायसेंस की बात तो दूर, वे यातायात संकेतों को भी समझ लें तो बड़ी बात होगी। इसका निदान क्या हो सकता है, यह सोचना सरकार का काम है। आशय यही है कि शहर में यातायात की हालत ठीक नहीं है। बढ़ती आबादी, बढ़ते वाहनों की संख्या के बीच यह अपने संक्रमण काल से गुजर रही है। इस दिशा में गंभीरता पूर्वक सोचना न केवल प्रशासन का काम है बल्कि नागरिकों का भी दायित्व है।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 का शुभारंभ

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

लखनपुर। भारत सरकार के द्वारा चलाए जा रहे आवास योजना शहरी 2.0 का शुभारंभ सोमवार को माननीय अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल ने आनलाइन पंजीयन हितग्राहियों का रैपीड असेसमेंट सर्वेक्षण करते हुए किया।

इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष सावित्री दिनेश साहु, नगर पंचायत उपाध्यक्ष रामनारायण दुबे, पार्षद अमित बारी, मु य नगरपालिका अधिकारी विधासागर चौधरी, उप अभियंता प्रदीप कुमार एक्का, सी.एल.टी.सी. नीरज चन्द्राकर, लेखापाल राहुल सिंह, सर्वेयर विवेक यादव, हर्षित यादव एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही उपस्थित थे।

वनमण्डल के मैदानी कर्मचारियों एवं ट्रेकिंग सदस्यों का बाघ विचरण के संबंध में प्रशिक्षण सम्पन्न

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। वाड्रफनगर के अंतर्गत बाघ विचरण के संभावित वन परिक्षेत्र रघुनाथनगर, वाड्रफनगर, बलरामपुर, रामानुजगंज एवं धमनी के मैदानी वन कर्मियों व हाथी क्रेकिंग दल के सदस्यों एवं वन प्रबंधन समिति के सदस्यों को काष्ठागार वाड्रफनगर में वन्य प्राणी विशेषज्ञ सदस्य डब्ल्यू डब्ल्यू.एफ.इंडिया श्री उपेन्द्र दुबे के द्वारा विशेष रूप से बाघ के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में विशेषज्ञ श्री दुबे द्वारा उपस्थित कर्मचारियों को बाघ के स्वभाव, बाघ की पहचान तथा वन में विचरण का ट्रेकिंग द्वारा बाघ का मॉनिटरिंग कैसे किया जाना है, किन-किन चीजों का विशेष ध्यान देना है आदि विषय पर विस्तृत जानकारी प्रदान किया गया। इस दौरान श्री दुबे ने बाघ के विचरण क्षेत्रों में उसके संभावित मार्ग पर पदचिन्हों के पहचान स्थानीय वनक्षेत्रों में जाकर मौके पर पीआईपी बनाकर उसके विचरण के जानकारी एवं पदचिन्हों के पहचान दिशा के संबंध में किस प्रकार जानकारी एकत्र किया जा सकता है साथ ही अन्य विषयों के बारे में बताया गया। यदि कहीं किसी बाघ द्वारा किसी मवेशी का शिकार किया जाना पाया जाता है तब वहां पर एवं मार्ग में निर्मित पीआईपी के पास ट्रेप कैमरा कैसे लगाया जाये इस संबंध में भी प्रशिक्षण दिया गया। बाघ विचरण की जानकारी आस-पास के आबादी क्षेत्रों में मुनादी किया जाना तथा मवेशी क्षति की स्थिति में मुआवजा प्रकरण शीघ्र तैयार करने का निर्देश दिया गया। इस प्रशिक्षण में कर्मचारियों तथा ट्रेकिंग दल के सदस्यों ने श्री दुबे से अपने शंकाओं का समाधान किया। प्रशिक्षण में वनमण्डलाधिकारी बलरामपुर श्री अशोक तिवारी, उप वनमंडलाधिकारी वाड्रफनगर, वन परिक्षेत्राधिकारी वाड्रफनगर उपस्थित रहे।

सात दिवसीय योग विज्ञान शिविर संपन्न

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। विश्व कल्याणार्थ 12 कुंडीय श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ एवं पतंजलि योगपीठ छत्तीसगढ़ जिला सरगुजा के द्वारा 11 से 17 नव बर तक प्रात: 5.×0 बजे से 7 बजे तक सात दिवसीय योग विज्ञान शिविर का आयोजन राइस मिल रोड नमनाकला में किया गया।

शिविर में पतंजलि योगपीठ हरिद्वार से पधारे स्वामी नरेंद्र देव, स्वामी अशोकानंद, आचार्य निरंजन, आचार्य अमर के योगिंग जागिंग के 12 अ यास, सूर्य नमस्कार, विभिन्न आसन, प्राणायाम, प्रेरणा दायक गीतों के साथ कराया गया। दोपहर में आयुर्वेद, एक्यूप्रेशर चिकित्सा परामर्श से लगभग सौ लोगों का इलाज किया गया। इस अवसर पर कौशलेंद्र पांडे ने कहा इस तरह का आयोजन होते रहना चाहिए। पतंजलि संस्था का कार्य सराहनीय है।

द्वितेंद्र मिश्रा ने कहा कि उनका स्वास्थ्य सात दिनों में योग शिविर में भाग लेने से सुधर गया। स्वामीजी के द्वारा बताई गई बातों से जीवन जीने का उद्देश्य मिला। उन्होंने हमेशा कहीं भी कार्यक्रम आयोजित होने के दौरान यथा शक्ति मदद करने की बात कही। मंजूषा भगत, प्रमोद चैधरी ने कहा कि योग के बगैर कोई कार्य संभव नहीं हो सकता। वे निरंतर योग करने के साथ संस्था को सहयोग प्रदान करते आ रहे हैं। अन्य लोगों ने भी अपने विचारों से उपस्थित जनों को अवगत कराया। इस दौरान स्वामी अशोक नंद के द्वारा अंबिकापुर में चलाए जा रहे गुरुकुल, जिसमें नागालैंड, मिजोरम, मणिपुर, उड़ीसा, छत्तीसगढ़ के ब'चे अध्ययन कर रहे हैं, उसके लिए सहयोग राशि द्वितेन्द्र मिश्रा, मंजूषा भगत ने 5-5 हजार रुपये सहयोग राशि प्रदान किया। प्रमोद चैधरी ने पॉलीटेक्निक कॉलेज में नवीन योग उद्यान हेतु पार्षद मद से एक लाख रुपये देने की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन कमलेश योगी योग शिक्षक ने किया।

समापन कार्यक्रम में रवि भूषण गुप्ता, ललिता श्रीवास्तव, राकेश सिंह सिसोदिया, अंबिका शुक्ला, कंचन गुप्ता, पदमा गुप्ता, योगेन्द्र चैबे, अखिलेश सिंह, मनोज शुक्ला, विनोद तिवारी, सुनील तिवारी, विकास श्रीवास्तव, संजय सिंह, अखिलेश सोनी, गुरुकुल के ब'चों सहित अन्य स मलित हुए। अंत में आभार प्रदर्शन जितेन्द्र सिन्हा ने किया।

पंचायत बॉडी भंग किए जाने से पंचायत का कामकाज पड़ा ठप

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग महानदी भवन नवा रायपुर अटल नगर द्वारा नगर पंचायत शिवनंदनपुर के गठन की अधिसूचना गत दिनों जारी की गई थी। अधिसूचना जारी होने के बाद कलेक्टर सूरजपुर ने सप्ताह भर बाद शिवनंदनपुर पंचायत के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की टीम को भंग कर दिया गया है। ग्राम पंचायत शिवनंदनपुर भंग होने के पखवाड़े भर बाद भी आज तक सीएमओ की नियुक्ति व अन्य प्रक्रिया पूर्ण नहीं होने से विकास कार्य व आमजन की सुविधाएं नहीं उपलब्ध हो पा रही हैं। गौरतलब है कि नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग महानदी भवन नवा रायपुर अटलनगर द्वारा नगर पंचायत शिवनंदनपुर के गठन की अधिसूचना गत दिनों 21 अक्टूबर को जारी की गई थी। अधिसूचना जारी होने के बाद कलेक्टर सूरजपुर द्वारा 28 अक्टूबर को शिवनंदनपुर पंचायत के निर्वाचित

जनप्रतिनिधियों की टीम को छग पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 126 की उपधारा (दो) के अंतर्गत ग्राम पंचायत को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया था।कलेक्टर के आदेश के बाद निर्वाचित पंचायत पदाधिकारियों का निर्वाचन भी शून्य होने के बाद यहां नगर पंचायत के संचालन के लिए नई समिति गठन किए जाने की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन आज करीब 20 दिन बीत जाने के बाद भी प्रशासन द्वारा न कोई नई समिति गठित की गई है और न ही नगर पंचायत के काम काज संचालन के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी की नियुक्ति की गई है। जिस वजह से पंचायत का सारा कामकाज ठप पड़ा है। कामकाज ठप होने की वजह से स्थानीय लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। लोगों का कहना है कि पंचायत बॉडी को समय पूर्व भंग कर दिया गया है तो यहां सीएमओ की तत्काल नियुक्ति कर देनी चाहिए थी, जिससे नगर पंचायत का काम काज का संचालन अनवरत जारी रहता। नगरवासियों की पंचायत संबंधी छोटी बड़ी समस्याएं सामने आती रहती हैं, लेकिन उनका निदान भी नहीं हो पा रहा है।

पंचायत भंग होने के बाद ताला बंदी की स्थिति

शिवनंदनपुर पंचायत भंग होने के बाद यहां सरपंच सहित सभी वार्डपंच ने भी अपना मुंह मोड़ लिया है। जिस वजह से पंचायत भवन में ताला बंदी की स्थिति निर्मित हो गई है। पंचायत भंग होने के बाद सरपंच अपने मूल निवास धान कटवाने चली गई हैं, वहीं अन्य जनप्रतिनिधियों का कहना है कि उन्हें शासन के आदेश का इंतजार है। यहां चुनाव को लेकर भी ऊहापोह की स्थिति निर्मित हो गई है। पंचायत को भंग कर दिया गया है लेकिन अभी मतदाता सूची को दुरुस्त करने वार्डों का नए सिरे से परिसीमन अब तक शुरू नहीं हो सका है और न ही इस संबंध में अब तक कोई आदेश ही आया है। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि प्रदेश में होने वाले आगामी निकाय चुनाव के साथ शिवनंदनपुर नगर पंचायत का चुनाव हो इसकी उम्मीद भी न के बराबर है। लोगों ने यहां शासन प्रशासन से मुख्य नगर पालिका अधिकारी के नियुक्ति की मांग की है ताकि पंचायत का कामकाज चलता रहे और आमजन की समस्याओं का समय रहते निराकरण हो सके।

अधिवक्ता विक्रमादित्य गुप्ता बने छत्तीसगढ़ कलवार समाज के प्रदेश सचिव

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

प्रतापपुर/ छत्तीसगढ़ कलवार समाज के संविधान में प्रदत शक्यिों का प्रयोग करते हुए विजय कुमार गुप्ता प्रान्ताध्यक्ष छत्तीसगढ़ कलवार समाज, ने सुनील कुमार गुप्ता अधिवक्ता के आकस्मिक निधन पश्चात् उनके सुपुत्र विक्रमादित्य गुप्ता (अधिवक्ता) निवासी प्रतापपुर को छत्तीसगढ़ कलवार समाज का प्रान्तीय सचिव नियुक्त किया है प्रान्तीय अधयक्ष ने अधिवक्ता विक्रमादित्य गुप्ता को सूरजपुर जिला एवं वाड्रफनगर तहसील में संगठन का विस्तार करने हेतु अधिकृत कीया है प्रांतीय सचिव बनने पर विक्रमादित्य गुप्ता ने कहा कि मेरे पिता स्वर्गीय सुनील कुमार गुप्ता समाज के कार्यों में हमेशा रुचि लेकर समाजिक कार्य करते हुए समाज को आगे बढ़ाने के लिए हमेशा पहली पंक्ति के खड़े रहते थे उन्हीं के पद चोन पर चलते हुए प्रांतीय अध्यक्ष ने मुझे जो जिम्मेदारी दी है उसे मैं भली-भांति निभाऊंगा अपने समाज के साथ सभी समाज को लेकर एक अच्छे समाज का निर्माण करने में अहम योगदान निभाऊंगा गरीबों की सेवा मेरी पहली प्राथमिकता होगी भले मेरे पिता मेरे साथ नहीं है लेकिन उनकी याद को हमेशा स्मरण कर कार्य करूंगा सामाजिक क्षेत्र के कार्यों के लिए हमेशा पहली पंक्ति पर खड़ा रहूंगा छत्तीसगढ़ कलवार समाज की बेहतरीन के लिए कार्यकर्ता रहूंगा।

रामानुजगंज शासकीय लरंगसाय महाविद्यालय का मामला

आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेताओं की अपेक्षा बना चर्चा का विषय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजगंज। शासकीय लरंग साय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में भगवान बिरसा मुंडा के 150 वी जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया था आयोजन समिति के द्वारा कई भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं कनिष्ठ नेताओं सहित नगर पंचायत के भाजपा पार्षदों की भी उपेक्षा की गई जो स्थानीय पार्टी स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है। पार्टी सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार उपेक्षित भाजपायों ने बताया कि पिछले 5 वर्षों से भारतीय जनता पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का शासकीय लरंग साय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कांग्रेस शासन काल के दौरान हम सभी उपेक्षा का शिकार होते चले आ रहे हैं लेकिन अब अपने भी शासनकाल में यदि कोई अपेक्षित करता है तो यह उचित प्रतीत नहीं होता? क्योंकि अपनों के द्वारा दिया हुआ तकलीफ ज्यादा पीड़ा दाई होता है। महिला पार्षद ने अपने नाम नहीं छापने के शर्त पर बताया कि रामानुजगंज के कुछ पदाधिकारी कई महीनो से अपना मनमानी करने पर उतारू हो गए है खासकर शासकीय

सेवकों के साथ अभद्र व्यवहार का मामले सामने आ रहे हैं कई पीड़ित अधिकारियों ने अपने साथ हुए घटनाओं का जिक्र करते हुए जानकारी दी। जिसके कारण भारतीय जनता पार्टी की छवि धूमिल हो रही है।

सरगुजा सांसद निहारते रहे अपनों की राह

उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में सरगुजा सांसद चिन्तामणि महाराज थे जिन्होंने कार्यक्रम के दौरान कई लोगों का राह निहारते रहे उन भारतीय जनता पार्टी के कर्तव्य निस्ट कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारी को निहारत रहे थे जिन्होंने गत कई महीनो पहले सांसद चुनाव के समय रामानुजगंज विधानसभा में उनको जिताने के लिए प्रचार प्रसार करते हुए साथ में घूम रहे थे स्वाभाविक है की जो व्यक्ति उनको जीताने के लिए प्रयास रत था यदि उनके रामानुजगंज आगमन पर यदि वह व्यक्ति उनके करीब ना हो तो उनका राह निहारना स्वभाविक हो जाता है उक्त आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करने गए भाजपा नेता ने बताया कि विगत 5 वर्षों से अपेक्षित भारतीय जनता पार्टी के निष्ठावान लोगों को प्रत्येक आयोजित कार्यक्रम में उनको प्राथमिकता एवं सम्मान के साथ बुलाना चाहिए जिनके वह हकदार है?

कांग्रेस शासन काल में स्वेच्छा अनुदान राशि खाने वाले को प्राथमिकता

विगत 10 वर्षों से रामानुजगंज विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस शासन काल के दौरान मनमानी तौर पर स्वेच्छा अनुदान राशि खाने वाले और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ नेताओं की उपेक्षा एवं निंदा करने वाले लोगों को प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद भी भाजपा के कुछ लालची एवं स्वार्थी लोगों के द्वारा उनको ही प्रथम प्राथमिकता दी जा रही है जो पार्टी में चर्चा का विषय बना हुआ है।

होली दशहरा दिवाली में उनको बेहतर गिफ्ट देकर उनका सम्मान भी किया जा रहा है और उनको प्रत्येक कार्य क्रम में उच्च पीड़ा देकर बैठाया भी जा रहा है जो चर्चा का विषय बना हुआ है यदि यही हाल रहा तो आने वाले समय में बेहतर परिणाम की कल्पना करना उचित नहीं जान पड़ता है? क्योंकि यह पब्लिक है सब जानती है किसको तख्त पर बिठा दे और कब किसको खाख में मिला दे यह कोई नहीं जानता।

निधन रामप्यारी अग्रवाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

उदयपुर। नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी घराने की रामप्यारी अग्रवाल का 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया, वे लंबे समय से बीमार थी। इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई, जिससे नगर में शोक का माहौल है। वे नगर के व्यापारी पप्पू जनरल स्टोर के मालिक बाबूराम अग्रवाल की माता थीं। उनकी चार पुत्रियां और सात पुत्र हैं। अंतिम संस्कार में उदयपुर, लखनपुर, अंबिकापुर के कई लोग शामिल हुए और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

21 बोरी अवैध धान सहित वाहन जब्त

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 के लिए किसानों से धान की खरीदी की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इसके साथ ही कोचिये भी अपने अवैध धान को खपाने के लिए सक्रिय हो चुके हैं। जिला प्रशासन के द्वारा जिले में धान के अवैध परिवहन एवं संग्रहण पर कड़ी नजर रखते हुए लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रामानुजगंज श्री देवेन्द्र प्रधान के मार्गदर्शन में राजस्व व पुलिस की संयुक्त कार्यवाही में तहसीलदार रामानुजगंज के द्वारा 01 टेम्पो अवैध धान जब्त किया गया है। तहसीलदार ने बताया कि टेम्पो चालक सुनील के द्वारा ग्राम भवरी (झारखण्ड) टेम्पो जेएच-03 जेड 3744 में 21 बोरी अवैध धान भरकर लाया जा रहा था, जिसे रामानुजगंज बेरियर में रोक कर जांच किया गया। जांच में वैध दस्तावेज नहीं होने तथा चालक द्वारा संतोषप्रद जवाब नहीं देने पर वाहन सहित जब्त कर संबंधित थाने को सुपुर्द किया गया है।

छत्तीसगढ़ प्रांत सर्व नाई समाज ने किया तिहरे हत्याकांड की निन्दा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ प्रांत सर्व सेन नाई समाज के द्वारा के तीन लोगों की जघन्य हत्याकांड पर दुख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन साप्ताहिक बाजार परिसर में किया गया। इस दौरान समाज के लोगों ने कठोर शब्दों में जघन्य हत्याकांड की कठोर निंदा की। श्रद्धांजलि सभा के बाद मुख्यमंत्री और राज्यपाल के नाम कलेक्टर को 5 सूत्रीय मांग को लेकर ज्ञापन सौपा। समाज के लोगों के द्वारा पूर्व घोषित कार्यक्रम को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था वही कलेक्टर परिसर के बाहर बेरिगेट्स लगवा दिये गय थे। ज्ञापन में उल्लेख किया कि समाज के पांच वर्षीय अबोध बालक 17 वर्षीय बच्ची एवं उसकी मां की नृशंस हत्या कर दी गई मृतक के परिजनो ने 1 अक्टूबर को मौखिक सूचना कुसमी थाने में दी पुन: 5 अक्टूबर को कुसमी थाने में लिखित शिकायत मृतका के पति के द्वारा की गई कार्यवाही नहीं होने पर मुख्यमंत्री केम्प कार्यालय बगिया में भी ज्ञापन सोपा गया परंतु इसके बाद भी पुलिस सुस्त बनी रही पुलिस यदि तत्परता से कार्रवाई करती तो शायद यह घटना नहीं होती इस हत्याकांड से समाज के लोगों में दुख एवं आक्रोश है। पास सूत्रीय मांग में 2 करोड रुपए मुआवजा राशि मृतका के परिजनों को की से किसी एक सदस्य को सरकारी नौकरी परिवार के 15 वर्षीय बच्ची कुमारी मधु ठाकुर की पढ़ाई का संपूर्ण खर्च शासन द्वारा वहन किया जाए कोई एक व्यक्ति अकेले एक साथ तीनों की हत्या नहीं कर सकता और शाक्ष को छिपाने और शव को दफना नहीं सकता स्पष्ट की घटना में अन्य अपराधी शामिल होंगे इस की गहन छानबीन कर अन्य अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए तथा उन पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

लापरवाही बरतने वाले पुलिस अधिकारियों पर हो एफआईआर दर्ज

समाज के द्वारा ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि मृतक के शवजनों के द्वारा 1 अक्टूबर को मौखिक सूचना पर यदि पुलिस सक्रीय हो जाती और पुलिस के द्वारा कार्रवाई की जाती तो यह हत्याकांड नहीं होता जवाबदारी पुलिस अधिकारियों के लापरवाही की वजह से हत्याकांड हुआ इस कारण उन संबंधित पुलिस अधिकारियों की विरुद्ध अपराधी प्रकरण दर्ज होना चाहिए

मांग नहीं माने जाने पर करेंगे आंदोलन

समाज के लोगों ने कहा कि यदि हम लोगों के पास पांच सूत्रीय मांग पर गंभीरतापूर्वक विचार नहीं होता है तो समाज के लोगों में इस घटना को लेकर गहरा आक्रोश है हम सभी आंदोलन के लिए बाध्य होंगे जिसकी संपूर्ण जावेदारी शासन प्रशासन की होगी

डिप्टी कलेक्टर बलरामपुर इंदिरा मिश्रा ने कहा कि सर्व नाई सेन समाज ने ज्ञापन दिया है और पांच बिंदु पर मांग रखते हुए राज्यपाल मुख्यमंत्री और गृह मंत्री के नाम दिया गया है तथा ज्ञापन को उचित माध्यम से आगे प्रेषित किया जाएगा

वही इस कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष अविनाश कुमार ठाकुर राजेन्द्र कुमार ठाकुर (राजू)मंटू ठाकुर, राजा ठाकुर, प्रमोद ठाकुर, दिनेश ठाकुर, अरून ठाकुर गणेश ठाकुर, मिथलेश ठाकुर विरेन्द्र कुमार ठाकुर, अंशू ठाकुर, रोहित ठाकुर,ओमप्रकाश ठाकुर, बबलू ठाकुर, राजेश ठाकुर राजेन्द्र कुमार श्रीवास, सुनिल कुमार ठाकुर सुरजदेव ठाकुर एवं समाज के लोग उपस्थित रहे।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के आरक्षण प्रक्रिया में बिंझिया जनजाति को करें सम्मिलित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। बिंझिया जनजाति की जनसंख्या को आगामी त्रिस्तरीय पंचायत राज निर्वाचन हेतु अजजा वर्ग की जनसंख्या में सम्मिलित करते हुए विभिन्न पद के लिए आरक्षण प्रक्रिया पूर्ण कराए जाने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया है।

कलेक्टर को दिए ज्ञापन में प्रांतीय बिंझिया समाज सुधार संघ छत्तीसगढ़ द्वारा उल्लेख किया गया है कि सुरजपुर जिला के विभिन्न ग्रामों में बिंझिया जनजाति के लोग निवासरत हैं, जिन्हें भारत सरकार द्वारा अजजा की सूची में अनुक्रमांक 43 पर सम्मिलित कर संवैधानिक अधिकार करने हेतु शासन के सभी कार्यपालिका को निर्देशित किया गया है। आगामी त्रिस्तरीय पंचायत राज निर्वाचन हेतु विभिन्न पदों के आरक्षण से पूर्व अजजा वर्ग के लिए तैयार की जाने वाली जनसंख्या सूची में बिंझिया जनजाति की भी जनसंख्या को सम्मिलित किया जाए। जिससे बिंझिया जनजाति की जनसंख्या का समुचित प्रभाव आरक्षण प्रावधान पर पड़ सके।

मनोज वर्मा ने ग्रहण किया लुण्ड्रा बीईओ का प्रभार

कहां आपसी समन्वय के साथ शैक्षणिक व्यवस्था में कसावट के साथ लाइयेंगे नवीनता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लुण्ड्रा- लुण्ड्रा विकासखंड में सोमवार 18 नवंबर को नवनियुक्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी के रुप में मनोज वर्मा ने विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया पदभार ग्रहण करने के पश्चात नव नियुक्त खण्ड शिक्षा अधिकारी मनोज वर्मा ने कहा कि कर्मचारियों की आपसी सहयोग एवं शिक्षक शिक्षिकाओं के बीच समन्वय बनाकर शैक्षणिक व्यवस्था को और बेहतर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ा जाएगा साथ ही कहा कि शैक्षणिक कार्यों में तनिक भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा शासकीय योजनाओं के अलावा रुचिकर कार्यों को भी बढ़ावा देना प्रमुख उद्देश्य होगा जिसमें छोटे-छोटे बच्चों में पढ़ाई को लेकर जिज्ञासा व उत्सुकता बनी रहे । इस अवसर पर सहायक खंड शिक्षा अधिकारी आर पी चौहान बीआरसीअजय सिंह, बीपीओ अरुण गुप्ता , के अलावा विभिन्न शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रतिनिधि व संकुल केंद्र संयोजकों के नवनियुक्त वीडियो के पदभार ग्रहण करने पर पुष्प गुच्छ वह माल्यार्पण कर स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए गरिमा अनुरुप कार्याव्यवहार करने अनुरोध किया

जैन समाज ने किया प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर - दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित प्रमाणिक पाठशाला के बच्चों द्वारा एक विशेष और प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसने जैन समाज की एकता और जागरूकता को नए स्तर पर पहुंचाया।यह कार्यक्रम 15 नवंबर से आरंभ हुआ, जिसमें बच्चों ने अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता के माध्यम से समाज को एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। कार्यक्रम का पहला चरण 15 नवंबर को घड़ी चौक और जैन मंदिर चौक पर नुक्कड़ नाटक के रूप में आयोजित किया गया। इस नाटक का मुख्य उद्देश्य फास्ट फूड और नूडल्स जैसे अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाना था। इसके साथ ही, नाटक के माध्यम से घर के बने शुद्ध और पोषणयुक्त खाने के महत्व को भी दशार्या गया। 6 नवंबर को कार्निवल फूड फेस्ट का आयोजन किया गया। यह कार्निवल फूड फेस्ट बच्चों और समाज के सभी सदस्यों के लिए उत्साह और उमंग से भरपूर एक अनोखा अनुभव था। कार्निवल फूड फेस्ट में जैन समाज के बच्चों ने अपनी रचनात्मकता का परिचय देते हुए घर के बने सामान्य खाने को स्वादिष्ट और आकर्षक तरीके से प्रस्तुत किया। कार्निवल फूड फेस्ट के मुख्य अतिथि प्रजापति ब्रह्माकुमारी अंबिकापुर शाखा की विद्या दीदी थीं। उन्होंने मेले में उपस्थित होकर न केवल बच्चों का उत्साहवर्धन किया, बल्कि उनके प्रयासों की सराहना भी की। उनके प्रेरणादायक शब्दों ने बच्चों और अभिभावकों को आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रेरित किया। मेले में बच्चों द्वारा बनाए गए व्यंजनों का मूल्यांकन करने के लिए जज के रूप में केआर टेक्निकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रितेश वर्मा, पंचामृत होटल की प्रबंधक सुश्री बोनी डे और आर्ट टीचर श्रीमती अर्जिता सिन्हा उपस्थित थीं। इन सभी ने बच्चों के कौशल की सराहना की और उन्हें प्रोत्साहित किया। निर्णायक मंडल ने बच्चों के व्यंजनों को उनके स्वाद, प्रस्तुति और रचनात्मकता के आधार पर परखा और उन्हें आवश्यक सुझाव भी दिए। जैन समाज के लिए बल्कि पूरे अंबिकापुर के लिए एक प्रेरणा स्रोत बना। बच्चों और समाज के सदस्यों के सामूहिक प्रयासों ने यह साबित कर दिया कि जब एकजुटता और समर्पण के साथ काम किया जाए, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। भविष्य में ऐसे आयोजनों से समाज में जागरूकता और एकता को और भी प्रबल किया जा सकता है ।यह आयोजन समाज के हर व्यक्ति को यह सीखने का अवसर देता है कि कैसे छोटे-छोटे प्रयासों से बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं। जैन समाज का यह प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मिसाल बनेगा।

बाघ के बाद तेंदुए की संदिग्ध मौत, मामला गुरु घासीदास नेशनल पार्क का...

वन्य प्राणियों की लगातार मौत से वन विभाग की कार्यप्रणाली पर खड़े हुए गंभीर सवाल...

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। छत्तीसगढ़ के कोरिया वन मंडल व गुरु घासीदास नेशनल पार्क एरिया में वन्य जीवों की हो रही मौत चिंता का विषय बनी हुई है। आए दिन हाथी, बाघ और तेंदुए समेत अन्य वन्यजीवों की संदिग्ध मौत हो रही है। गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान एवं कोरिया वन मंडल की सीमा क्षेत्र के आरेंज जोन में गत दिनों बाघ की मौत का मामला अब तक सुलझा नहीं था कि तेंदुए की मौत का नया मामला सामने आ गया। इस घटना ने वन विभाग की कार्यप्रणाली और उसकी तत्परता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वन विभाग के अधिकारी मीडिया से मुँह छिपाते फिर रहे है इस मामले में भी विज्ञप्ति जारी कर सवालों से बचने की कोशिश की जा रही है।

गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान बैकुण्ठपुर के संचालक ने तेंदुए की मौत को लेकर विज्ञप्ति जारी कर बताया है कि दिनांक 15.11.2024 को क्षेत्रीय कर्मचारियों की गश्ती के दौरान बीट टामापहाड़, सर्किल देवसील, पार्क परिक्षेत्र कमर्जी अंतर्गत एक तेंदुआ की मृत्यु की सूचना प्राप्त हुई। घटना की पुष्टि उपरान्त क्षेत्रीय कर्मचारियों द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को देर रात घटना की सूचना दी गई। उक्त घटना स्थल दुर्गम पहाड़ी, संचार साधन नेटवर्क विहीन क्षेत्र में स्थित है। सूचना पर दिनांक 16.11.2024 को वन संरक्षक वन्यप्राणी सरगुजा वन वृत्त, अम्बिकापुर, संचालक गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान, व पशु चिकित्सकों की टीम, गोमर्डा अभ्यारण्य के डॉग स्क्वायड टीम एवं क्षेत्रीय कर्मचारी घटना स्थल पर पहुंचे। क्षेत्रीय कर्मचारियों एवं गोमर्डा अभ्यारण्य के डॉग स्क्वायड टीम द्वारा घटना स्थल के आस-पास के क्षेत्र में पतासाजी किया गया। स्थल निरीक्षण उपरान्त विभागीय अधिकारी / कर्मचारी, ग्रामीणों की उपस्थिति में तीन सदस्यीय पशु चिकित्सक दल के द्वारा शव विच्छेदन किया गया। पशु चिकित्सकीय टीम के परीक्षण के दौरान मृत तेंदुए की खाल, नाखून, दांत एवं सभी अंग सुरक्षित पाये गये। मृत तेंदुए के आवश्यक अंग अवशेषों को प्रयोगशाला परीक्षण हेतु प्रीजर्व किया गया। शव विच्छेदन उपरान्त नियमानुसार शव का दाह संस्कार किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए डॉग स्क्वायड टीम, स्ट्राईक फोर्स, क्षेत्रीय कर्मचारियों के संयुक्त टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के उपरान्त ही मृत्यु के संभावित कारणों के विषय में जानकारी प्राप्त होगी। तेंदुए के मृत्यु की सभी संभावित कारणों की विवेचना की जा रही है। तेंदुए की मौत को लेकर नेशनल पार्क के अधिकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे है, जबकि ग्रामीणों की माने तो शव 7 से 10 दिन पुराना हो चुका था, और शव की स्थिति काफी खराब हो चुकी थी। 15 नवम्बर की शाम को ही विभाग को तेंदुए की मौत की जानकारी मिल गई, लेकिन दूसरे दिन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

दादाबाड़ी में धूमधाम से मनाई गई दादागुरुदेव जिनकुशल सूरि की 744वीं जन्मजयंती

दादागुरुदेव की बड़ी पूजा में 108 परिवारों ने भाग लिया

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। आचार्य जिनमणि प्रभ सूरीश्वर द्वारा प्रतिष्ठित जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी, भैरव सोसायटी में प्रकट प्रभावी दादागुरुदेव जिनकुशल सूरीश्वर की 744वीं जन्मजयंती महोत्सव पर सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट व खरतरगच्छ महिला परिषद द्वारा दादागुरुदेव की बड़ी पूजा व इक्तिसा जाप का भव्य आयोजन हुआ। पूजा पश्चात गुरुप्रसादी रखी गई। राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्रीमती मंजू कोठारी के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में 108 परिवारों ने भाग लिया। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि भैरव सोसायटी में दादागुरुदेव जिनकुशल सूरि की दादाबाड़ी है जिसमें श्रद्धालुओं की अटूट श्रद्धा है और भक्तों को मनवांछित फल प्राप्त होते हैं। जन्म जयंती पर रिकॉर्ड 108 परिवारों से श्रद्धा पूर्वक इक्तिसा जाप व बड़ी पूजा में भाग लिया। अध्यक्ष संतोष बैद ने दादागुरुदेव का गुणानुवाद करते हुए बताया कि जिनकुशल सूरि ने 50 हजार नूतन जैन बनाए। आपने 42 वर्षों तक जिनशासन की प्रभावना की। भक्तों की नदी में डूबती जहाज को पार लगाया। ट्रस्टी नीलेश गोलछा व डॉ योगेश बंगानी ने बताया कि आज दादागुरुदेव की जयंती के अवसर पर दादाबाड़ी की सुगंधित पुष्प से व लाइटिंग से सजावट की गई है। आज प्रातः से सैकड़ों श्रद्धालुओं ने चारों दादागुरुदेव की चंदन पूजा व अष्ट प्रकारी पूजा भक्ति भाव से कर जयंती मनाई। दादागुरुदेव की बड़ी पूजा व गुरुप्रसादी के लाभार्थी महेन्द्र मंजू मयंक पूजा कोठारी , दुर्गा कोचर , राखी गीडिया , गुप्त , गुप्त , प्रदीप गोलछा , गुप्त लाभार्थी , गुप्त , सरस देवी पारख , जया जैन , गुप्त , प्रकाश चंद बुरड़ परिवार थे । दादागुरुदेव की आरती व मंगल दीपक खरतरगच्छ महिला परिषद की श्राविकाओं ने किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का बस्तरिया अंदाज में हुआ स्वागत

मुख्यमंत्री ने किया बस्तर हाट की थीम पर आधारित एक्सपीरियंस जोन और स्टाल्स का अवलोकन

गौरसिंग मुकुट पहनाकर किया गया अभिनन्दन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर -मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आज बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक में शामिल होने चित्रकोट पहुंचने पर बस्तरिया अंदाज में स्वागत हुओ उनके स्वागत में जनजातीय लोक नर्तक दलों ने आकर्षक प्रस्तुति दी जनप्रतिनिधियों ने पारंपरिक गौर सिंग मुकुट पहनाकर उनका अभिनन्दन कियो प्रसिद्ध पर्यटन स्थल चित्रकोट में बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक के आयोजन हेतु विशेष तैयारियां की गई थीं इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री साय ने बस्तर हाट की थीम पर आधारित एक्सपीरियंस जोन एवं विभिन्न विभागीय स्टालों का अवलोकन किया। प्राधिकरण के बैठक स्थल पर संभाग के सात जिलों बस्तर, कोण्डागांव, दंतेवाड़ा, कांकेर, नारायणपुर, सुकमा और बीजापुर की विकास योजनाओं और उपलब्धियों को स्टॉल के जरिए साझा किया गया। इन स्टालों में विकास और नवाचार की विस्तृत झलक दिखी

'बस्तर कॉफी' के सफर की दिखी झलक

बस्तर जिले के स्टाल में 'बस्तर कॉफी' की प्रक्रिया और उसके प्रसार को रोचक ढंग से दिखाया गया है। प्रदर्शनी में कॉफी उत्पादन, ताजा चेरी उत्पादन से लेकर कॉफी की धुलाई, भुनाई, पिसाई और पाउडर पैकेजिंग तक की पूरी प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया है। 'बस्तर कैफे' की पहल से

स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया गया है। बस्तर कॉफी ब्रांड को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने का प्रयास भी जारी है।

कला और नवाचार का संगम

कोण्डागांव जिले ने स्टाल के माध्यम से अपनी पारंपरिक शिल्पकला और आधुनिक

विकास परियोजनाओं को सामने रखा है। झिटकू मिटकी आर्टिसन प्रोड्यूसर ने बेल मेटल कला से अयोध्या के श्री राम मंदिर के स्थापत्य को प्रदर्शित किया। इस दौरान जिले में हो रहे पर्यटन विकास, रोजगार के अवसर बढ़ाने गारमेंट फैक्ट्री, एनीमिया मुक्त कोण्डागांव अभियान स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने, 'मावा कोण्डानार' मोबाइल ऐपः पारदर्शी प्रशासन और नागरिक सुविधाओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की जानकारी दी गई।

शिक्षा और बाल विकास में नवाचार

दंतेवाड़ा जिले ने शिक्षा और बाल कल्याण के क्षेत्र में किए गए नवाचारों को साझा किया। बाल मित्र कार्यक्रम के माध्यम से स्कूल से बाहर और अप्रवेशी बच्चों को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए पहल शुरू की गई है । बाल मित्र पुस्तकालय एवं पंचायत के जरिए बच्चों को नेतृत्व और निर्णय लेने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह कार्यक्रम शिक्षा के साथ-साथ समग्र विकास के लिए भी अहम साबित हो रहा है।

लघु वनोपज से बढ़ती आजीविका

कांकेर जिले में लघुवनोपज आधारित परियोजनाओं और उद्यानिकी विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। फ्रेश सीताफल परियोजना स्थानीय किसानों सहित स्वसहायता समूह की दीदियों के लिए आय का प्रमुख स्रोत बनी है। पोषण और रोजगार, लघु धान के मछली पालन, कड़कनाथ मुर्गी पालन में रोजगार के नए अवसर और आजीविका संवर्धन की जानकारी दी गई है।

महिला सशक्तिकरण का उदाहरण

नारायणपुर जिले में महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रयास किए गए हैं। स्वसहायता समूहों की दीदियों ने हर्बल गुलाल, मशरूम उत्पादन, कड़कनाथ पालन और बटेर पालन जैसी गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई है। इन गतिविधियों से महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता मिली है ।पोषण आहार और एकीकृत कृषि, कृषि में नवीन तकनीकों के समावेश का प्रदर्शन किया गया है।

यातायात और आवासीय योजनाओं की प्रगति

सुकमा जिले के स्टाल में आधारभूत संरचना और ग्रामीण विकास पर जोर दिया गया है। हक्कुम मेल अंतर्गत यातायात सुविधा को बेहतर बनाने की दिशा में हो रहे कार्य, प्रधानमंत्री आवास योजना, आवासीय परियोजनाओं से सकारात्मक बदलाव, लखपति दीदी योजना मरईगुड़ा (वन) पंचायत, महिला स्वसहायता समूहों को आर्थिक सशक्तिकरण में हो रहे सकारात्मक परिणामों को प्रदर्शित किया गया।

'नियद नेल्ला नार' योजना के सकारात्मक परिणाम

बीजापुर जिले में प्रदेश सरकार द्वारा माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में संचालित 'नियद नेल्ला नार' योजना के माध्यम से समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जिसमें ग्रामीणों के लिए बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, रोजगार के नए अवसर प्रदान करने के लिए तकनीकी और स्थानीय संसाधनों का उपयोग, जिले के प्राकृतिक सौंदर्य को पर्यटन के माध्यम से दुनिया के पटल पर रखने के प्रयासों की जानकारी दी गई है।

किसानों की सुविधा के लिए सभी 54 केंद्रों में रखी जाए शिकायत पंजी, होगी मॉनिटरिंग - कलेक्टर श्री भोसकर

चांदो समिति में महिला किसान के साथ टोकन कटने तक खड़े रहे कलेक्टर, देखी टोकन कटने की पूरी प्रक्रिया, अंगूठा लगाने के बजाय हस्ताक्षर करने किया प्रोत्साहित

कलेक्टर ने एक दिन में उदयपुर-लखनपुर विकासखंड के लगभग आधा दर्जन धान खरीदी केंद्रों का किया निरीक्षण, खरीदी और भुगतान सहित अन्य सुविधाओं पर सीधे किसानों से की बात

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर - कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने सोमवार को उदयपुर और लखनपुर विकासखंड का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने लगभग आधा दर्जन धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया और धान खरीदी की जानकारी ली। कलेक्टर श्री भोसकर ने लखनपुर धान खरीदी केंद्र में किसानों से खरीदी और भुगतान पर बात की। उन्होंने खाद्य अधिकारी को निर्देश दिए कि किसानों की सुविधा के लिए सभी 54 धान खरीदी केंद्रों में शिकायत पंजी रखी जाए जहां किसान अपनी भुगतान, विक्रय अथवा अन्य किसी भी तरह की समस्या दर्ज कर सकेंगे। कलेक्टर स्वयं इस पंजी के संधारण की मॉनिटरिंग करेंगे। उन्होंने इस दौरान हम्मालों से भी बात की और काम की जानकारी ली। उन्होंने किसानों के साथ इलेक्ट्रॉनिक कांटा की पूजा अर्चन कर धान खरीदी की शुरूआत की और किसानों से धन विक्रय के बाद राशि भुगतान होने पर भुगतान की जानकारी से अवश्य अवगत कराने की बात कही। उल्लेखनीय है कि धान विक्रय के 72 घंटे में भुगतान किसान के खाते में कर दिया जाता है। इसी तरह कलेक्टर ने आदिम जाति सेवा सहकारी समिति चांदो में अपने समक्ष इलेक्ट्रॉनिक कांटा के कैलिबरेशन की जांच कराई। निरीक्षण के दौरान समिति में टोकन कटाने आई महिला किसान कुन्ती से कलेक्टर ने बात की। कलेक्टर ने स्वयं उनके साथ कांउटर से टोकन की पूरी प्रक्रिया देखते हुए टोकन लिया। इस दौरान ऑनलाइन एप के माध्यम से भी टोकन कटाने की सिस्टम की जानकारी ली। टोकन की पूरी प्रक्रिया उपरांत हस्ताक्षर की जगह जब महिला किसान अंगुठा लगाने लगी तो कलेक्टर ने अंगूठे की बजाय स्वयं के हस्ताक्षर करने हेतु प्रोत्साहित किया और इस पर महिला किसान ने प्रेरित होकर अपने हस्ताक्षर किए। इसके साथ ही कलेक्टर ने धान उपार्जन केंद्र सलका, खम्हरिया और उदयपुर में भी पहुंचकर धान खरीदी कार्य का जायजा लिया और किसानों से सीधे संवाद किया। उन्होंने किसानों की सुविधा के लिए उपार्जन केंद्रों में बनाए गए किसान कुटीर को कार्यशील रखने के निर्देश दिए।

विधानसभा का शीतकालीन सत्र 16 दिसंबर से

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । छत्तीसगढ़ विधानसभा का शीतकालीन सत्र 16 दिसंबर से शुरू होगा। विधानसभा सचिवालय की ओर से इसके लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। नोटिफिकेशन के मुताबिक, विधानसभा का शीतकालीन सत्र 16 दिसंबर से शुरू 20 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान 4 बैठकें होंगी। बीच धान खरीदी के सीजन में होने जा रहे विधानसभा सत्र के भी हंगामेदार होने की संभावना है। क्योंकि विपक्ष अभी धान खरीदी को लेकर हीला हवाली करने का आरोप सरकार पर लगा रही है। वहीं रबी पसल के लिए धान बोने से मना करने का मसला भी गरमा सकता हे।

सम्पादकीय

कांगड़ा में खुलती खिड़कियां

धर्मशाला के सचिवालय में सत्ता की रुह निवास करती है, इसे सिद्ध करते मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने एक दिन सरकार चला कर कांगड़ा की नब्ज पकड़ी। सरकार की कोई भी हलचल कांगड़ा में सराबोर हो, तो एक साथ कई खिड़कियां खुल जाती हैं। यह कोशिश वाईएस परमार के दौर पर जिस तरह हुई, उससे कहीं विपरीत आशाएं व आश्वासन बदले हैं। सत्ता के हर दरवाजे पर कांगड़ा खड़ा रहा, तो राजनीति के हर कठघरे में भी यही जिला रहा। पार्टियों को समझ आ गया और ये दरवाजे हर मुख्यमंत्री को भी राजनीतिक नक्शों तक ले गए, लेकिन घोषणाएं कई बार केवल चित्रकार बनी रहीं। इसीलिए घोषणाओं की शब्दावली में नवाचार होता रहा और इसी संदर्भ में वीरभद्र सिंह के शासन काल से सुखविंदर सिंह सुक्खू के मुख्यमंत्रित्व काल आने तक कई तगमे और कई तखल्लुस जुड़ते गए। यही वजह है कि जब किसी मंत्री या मुख्यमंत्री के आगमन पर धर्मशाला सचिवालय के दरवाजे खुलते हैं या शीतकालीन राजधानी के प्रोटोकॉल में एहसास स्थापित होता है, तो सत्ता के शिखर पर कांगड़ा के नाम की वसंत उग आती है। इस वसंत को वीरभद्र सिंह ने शीतकालीन राजधानी या तपोवन में शीतकालीन सत्र तक पहुंचाया, तो शीतकालीन प्रवास की ऊबड़-खाबड़ राहों पर प्रेम कुमार धूमल व जयराम ठाकुर भी चले। प्रेम कुमार धूमल ने भले ही धर्मशाला में हिमाचल भवन का तख्त छीना, लेकिन राज्य सरकार का व्यावहारिक सचिवालय स्थापित किया। वह खेल राजधानी के सफर को धर्मशाला तक लाए, तो अब सुखविंदर सिंह सुक्खू कांगड़ा में पर्यटन राजधानी की जमीन का विस्तार कर रहे हैं। इसी आशय की एक बैठक में धर्मशाला सचिवालय गूंजता है, तो कांगड़ा सुनता है।

कांगड़ा सुनता है कि गगल एयरपोर्ट विस्तार की वचनबद्धता से बंधे मुख्यमंत्री ने सारी ताकत झोंक कर इक सपना दिखाया है। गगल एयरपोर्ट विस्तार से भविष्य की रफ्तार बदल जाएगी। न केवल पर्यटन, बल्कि व्यापार-रोजगार भी अपनी दिशा बदल लेगा। युग बदलने की कोशिश में हिमाचल के अपने रास्ते, केंद्र सरकारों से वास्ते तथा राजनीतिक जिम्मेदारियां रही हैं। प्रदेश में यूं तो कांगड़ा का कद बड़ा है, लेकिन यह सत्ता में छोटा ही रहा है। इसे हर मुख्यमंत्री ने अंगुली से पकडकर अपने-अपने ढंग से चलाया, फिर भी वीरभद्र के मानचित्र पर उकेरे गए संकल्प की भूमिका आज भी प्रासंगिक है। मसलन राजधानी शिमला के समकक्ष धर्मशाला की तलाशी में कुछ सियासी प्रतीक आज भी सुदृढ़ हैं। यह दीगर है कि कुछ मसलों में राजनीतिक शास्त्र ने नए अध्याय जोड़े। देहरा में मुख्यमंत्री कार्यालय ऐसी ही एक खोज है, जिसको लेकर भाजपा की आपत्तियां सामने आई हैं। कांगड़ा ने हमेशा सत्ता को खोजा, लेकिन क्या पाया, इसका हिसाब आज तक नहीं हो पाया। बावजूद इसके जब कोई मुख्यमंत्री धर्मशाला के सचिवालय या तपोवन विधानसभा परिसर से कांगड़ा के फरियादियों का भगवान बना नज़र आता है, तो यहां का राजनीतिक श्रम सार्थक हो जाता है। इसी खोज में करीब चार दशक से धर्मशाला में हाईकोर्ट की सर्किट या स्थायी बैंच की फरियाद जारी है। जिस दिन यह तस्वीर मुकम्मल होगी, न्याय के विषय और कानून के तर्क हिमाचल के तीन-चौथाई हिस्से के करीब पहुंच जाएंगे। फिलहाल कांगड़ा को पर्यटन राजधानी बनाने की पैमाइश में सबसे महत्त्वपूर्ण परियोजना एयरपोर्ट विस्तार को लेकर मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू का जलवा दिखा रही है। इसमें कोई संदेह नहीं कि मौजूदा सरकार ही ऐसा विस्तार कर सकती है, वरना हिमाचल में हवाई पट्टियां बिछाने की होड़ में सियासी उड़ानें तो चारों तरफ जारी रही हैं।

कथित-प्रचारित 'बुलडोजर न्याय' पर हथौड़ा चला कर सुप्रीम कोर्ट ने शासनों-प्रशासनों को दो टूक संदेश दिया है कि एक्शन के नाम पर मनमानी नहीं चलेगी। देश में संविधान है, कानून का राज है, किसी को भी असंवैधनिक-गैरकानूनी कुछ भी करने का हक नहीं है। सरकारें अपनी विफलता बुलडोजर कार्रवाई की छतरी से नहीं ढंक सकतीं। गत 13 नवंबर को सर्वोच्च न्यायालय ने बुलडोजर कार्रवाई से घर छीनने को मौलिक अधिकार का हनन बताया। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि 'कार्यपालिका केवल इस आधार पर किसी व्यक्ति के मकान नहीं गिरा सकती कि वह किसी अपराध में आरोपी या दोषी है। कार्यपालिका किसी व्यक्ति को दोषी नहीं ठहरा सकती। केवल आरोप के आधार पर, यदि कार्यपालिका किसी व्यक्ति की संपत्ति को ध्वस्त करती है, तो यह कानून के शासन पर हमला होगा। कार्यपालिका जज बनकर आरोपी व्यक्ति की संपत्ति को ध्वस्त नहीं कर सकती। इमारत को ध्वस्त करने वाले बुलडोजर का भयावह दृश्य अराजकता की याद दिलाता है। हमारे संवैधानिक लोकाचार इस तरह के कानून के इस्तेमाल की अनुमति नहीं देते।' सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि इस तरह से संपत्तियां ध्वस्त करने वाले सरकारी अधिकारियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। सुप्रीम फैसले व दिशानिर्देश के सभी पहलुओं पर रोशनी डालता आजकल का यह अंक...

हथौड़ा सही, पर कई प्रश्न अनुत्तरित

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

न्यायालय ने किसी मामले की जांच करने या सरकार पर वित्तीय जुर्माना आदि का आदेश नहीं दिया है। उप्र बुलडोजर को अंतरराष्ट्रीय विषय बनाने वालों की इसमें भूमिका रही और एमनेस्टी इंटरनेशनल ने 128 मामलों की एक रिपोर्ट न्यायालय में सौंपी थी। न्यायालय ने अलग से उस रिपोर्ट की सत्यता जानने की कोशिश नहीं की। इसका अर्थ हुआ कि उच्चतम न्यायालय किसी राज्य या कुछ घटना विशेष पर फोकस करने की बजाय भविष्य के लिए एक व्यापक मार्गनिर्देश देना चाहता था और उसने वही किया है। उच्चतम न्यायालय हमारे संविधान का अभिभावक तथा कानूनी संवैधानिक मामले पर न्याय का अंतिम शब्द है। इसलिए उसके हर फैसले का सम्मान होना ही चाहिए।

उच्चतम न्यायालय द्वारा बुलडोजर कार्रवाई पर दिए गए फैसले की गहराई से समीक्षा करने की आवश्यकता है। न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने बुलडोजर कार्रवाई के संदर्भ में कुछ कानूनी, संवैधानिक तो कुछ मानवीय सिद्धांत और आधार देकर मार्गनिर्देश निर्धारित किया है। इसमें क्या करना और क्या न करना दोनों बातें समाहित हैं। हालांकि गहराई से देखें तो इसमें ऐसा कुछ नहीं है जो पहले से बने बनाए नियमों से बिल्कुल अलग हों। दूसरे, भले भाजपा सरकारों के विरोधी इससे उत्साहित हों लेकिन फैसले में किसी सरकार का नाम लेकर निंदा या तीखी टिप्पणी नहीं की गई है। यह बात सही है कि इसमें उत्तर प्रदेश की तीन घटनाओं का विशेष जिक्र है।

इस कारण आप अर्थ निकाल सकते हैं कि यह योगी आदित्यनाथ सरकार के विरुद्ध है। यहां भी न्यायालय ने किसी मामले की जांच करने या सरकार पर वित्तीय जुर्माना आदि का आदेश नहीं दिया है। उप्र बुलडोजर को अंतरराष्ट्रीय विषय बनाने वालों की इसमें भूमिका रही और एमनेस्टी इंटरनेशनल ने अपनी टीम से 128 मामलों की जांच कर उसकी एक रिपोर्ट न्यायालय में सौंपी थी। न्यायालय ने अलग से उस रिपोर्ट की सत्यता जानने की कोशिश नहीं की। इसका अर्थ हुआ कि उच्चतम न्यायालय किसी राज्य या कुछ घटना विशेष पर फोकस करने की बजाय भविष्य के लिए एक व्यापक मार्गनिर्देश देना चाहता था और उसने वही किया है। उच्चतम न्यायालय हमारे संविधान का अभिभावक तथा कानूनी संवैधानिक मामले पर न्याय का अंतिम शब्द है। इसलिए उसके हर फैसले का सम्मान होना ही चाहिए।

शक्ति के दुरुपयोग की अनुमति नहीं

अगर न्यायालय कह रहा है कि संसदीय लोकतंत्र में शासन के तीनों अंगों की शक्ति विभाजित है, जो काम न्यायपालिका का है वह न्यायपालिका करे और कार्यपालिका अपनी भूमिका निभाये तो इसमें कुछ भी गलत नहीं। प्रशासन और पुलिस नियम कानून का पालन करने, करवाने तथा न्यायपालिका द्वारा दिए गए आदेश का पालन करने के लिए हैं। इसके परे वह जो कुछ भी करेगा अपराध होगा। न्यायालय ने कहा कि हमारे संवैधानिक आदर्श किसी भी शक्ति के दुरुपयोग की अनुमति नहीं देते। यह कानून के शासन व न्यायालय द्वारा सहन नहीं किया जा सकता। जब किसी विशेष संरचना को अचानक से ध्वस्त करने के लिए चुना जाता है, और उसी प्रकार की बाकी संपत्तियों को नहीं छुआ जाता, तो यह अनुमान लगाया जा सकता है कि असली उद्देश्य कानूनी कार्रवाई नहीं, बल्कि बिना सुनवाई के दंडित करना था। ये पंक्तियां अवश्य भाजपा सरकारों के व्यवहार को कटघरे में खड़ा करती हैं। यहां भी किसी घटना का आधार नहीं है। आइए, फैसले के कुछ मुख्य

बिंदुओं को देखें। एक, किसी आरोपी या गुनहगार के घर को सिर्फ इस आधार पर नहीं गिराया जा सकता कि उसकी आपराधिक पृष्ठभूमि है। ऐसी कार्रवाई गैरकानूनी और असंवैधानिक है। दो, कार्यपालिका न्यायाधीश बनकर यह फैसला नहीं कर सकती कि वह दोषी है या नहीं। इस तरह की कार्रवाई लक्ष्मण रेखा पार करने जैसी है। तीन, कानून का शासन यह सुनिश्चित करता है कि लोगों को पता हो कि उनकी संपत्ति को बिना किसी उचित कारण के नहीं छीना जा सकता। चार, बिना पूर्व कारण बताओ नोटिस के कोई ध्वस्तीकरण नहीं किया जाना चाहिए, जो या तो स्थानीय नगरपालिका कानूनों में दिए गए समय के अनुसार या सेवा की तारीख से 15 दिनों के भीतर (जो भी बाद में हो) प्रस्तुत किया जाना चाहिए। नोटिस के 15 दिनों तक कोई कार्रवाई नहीं होगी। नोटिस पंजीकृत डाक के माध्यम से मालिक को भेजा जाएगा और संरचना के बाहरी हिस्से पर भी चिपकाया जाएगा।

आरोपी को सुनवाई का अवसर मिले

नोटिस में अवैध निर्माण की प्रकृति, विशेष उल्लंघन का विवरण और ध्वस्तीकरण के आधार शामिल होने चाहिए। अथॉरिटी को आरोपी को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर देना होगा। ऐसी बैठक के विवरण को रिकॉर्ड किया जाएगा। अंतिम आदेश में नोटिसधारी के पक्षों को शामिल किया जाना चाहिए, ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी और ध्वस्तीकरण रिपोर्ट को डिजिटल पोर्टल पर प्रदर्शित किया जाना चाहिए। पांच, किसी भी निर्देश के उल्लंघन से अवमानना कार्यवाही शुरू की जाएगी। अधिकारियों को सूचित किया जाना चाहिए कि यदि ध्वस्तीकरण में निर्देशों के उल्लंघन में पाया जाता है, तो ध्वस्त की गई संपत्ति की पुनर्स्थापना के लिए अधिकारियों को व्यक्तिगत खर्च पर जवाबदेह ठहराया जाएगा। साथ ही हर्जाने का भुगतान भी करना होगा। उत्तर प्रदेश सरकार ने इसका स्वागत किया है और राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय जनता पार्टी ने भी।

कानून की परिधि में रहकर कार्य करें

कानून का शासन तभी माना जाएगा जब सरकारें, पुलिस प्रशासन सब कानून की परिधि में रहकर अपनी भूमिका निभाएं। लेकिन नियम कानून के परे जाकर भूमिका निभाने वाले के लिए पहले भी कड़े कानून हैं। आम आदमी के संदर्भ में तो न्यायालय की बातें मानवीयता की परिधि में एक सीमा तक सही है। निस्संदेह, आम नागरिक के लिए अपने घर का निर्माण कई वर्षों की मेहनत, सपने और आकांक्षाओं का परिणाम होता है। न्यायालय का यह मत बिल्कुल सही है कि घर, सुरक्षा और भविष्य की एक सामूहिक आशा का प्रतीक है और अगर इसे छीन लिया जाता है, तो अधिकारियों को यह साबित करना होगा कि यह कदम उठाने का उनके पास एकमात्र विकल्प था।

बुलडोजर इंसाफ के खौफ पर लगाम

सुप्रीम फैसला

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ स्तंभकार

सर्वोच्च न्यायालय ने अपराधियों पर सख्ती बरतने के बहाने उनके भवनों को बुलडोजर से नेस्तनाबूद कर देने की कार्रवाई पर रोक लगाने का बहुप्रतीक्षित फैसला सुनाया है। न्यायालय का निर्देश है कि बिना कानूनी प्रक्रिया का पालन किए किसी के घर, दफ्तर या दुकान पर मनमानी कार्रवाई कर बुलडोजर नहीं चलाया जा सकता है। इस तरह की कार्रवाई को अदालत ने असंवैधानिक करार देते हुए इसे अराजकता का पर्याय माना है। शीर्ष न्यायालय की दो सदस्यीय पीठ ने फैसले में कहा है कि 'हमारे संविधान में इस निरंकुश और मनमानी कार्रवाई के लिए कोई स्थान नहीं है। किसी भी आरोपित, यहां तक कि दोषी की संपत्ति भी कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बगैर ध्वस्त नहीं की जा सकती है। कार्यपालिका, न्यायाधीश बनकर किसी को दंडित नहीं कर सकती। घर का होना व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। यह आश्रयस्थल किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि कई व्यक्तियों के उपयोग में आता है। अतएव इस तरह की कार्यवाही अराजकता तो है ही, साथ ही संविधान में मिले मौलिक अधिकार का उल्लंघन भी है।' कुछ सालों से देखने में आ रहा है कि बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों में शामिल लोगों के घरों को तात्कालिक असंतोष को ठंडा करने के लिए बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया जाता है।

नैतिक दायित्व की अनदेखी

इस सिलसिले में न्यायालय ने दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। हालांकि ये सब दिशा-निर्देश पहले से ही राज्य सरकारों की भू-राजस्व संहिता में शामिल हैं। लेकिन कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदार अपने कानूनी एवं नैतिक दायित्व की अनदेखी कर सरकार की मंशा पूर्ति में लग जाते हैं। साफ है, यदि अधिकारियों को नेताओं की मंशा के अनुरूप ही काम करना है तो फिर उनके योग्य होने का क्या मतलब है? विधायिका से कार्यपालिका को इसीलिए पृथक रखा है कि वे किसी मंत्री या नेता की इच्छापूर्ति की बजाय कानून का सम्मान करते हुए निर्णय लें। किंतु अहम पद पर बने रहने और कदाचरण से धन कमाने के मोह में वे अपनी योग्यता और कानूनी प्रक्रिया को खूंटी पर टांग कर अंधे होकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को अंजाम देने में लग जाते हैं। जबकि ये अधिकारी भी कर्मचारी आचरण संहिता की शपथ लेकर अपने पद का दायित्व ग्रहण करते हैं। ऐसे में ये दावे थोथे साबित होते हैं कि प्रजातांत्रिक गणतंत्र में जनता को राजनीतिक स्वतंत्रता और विधि सम्मत मौलिक अधिकार दिलाने का काम कार्यपालिका का है।

विधायिका-कार्यपालिका में गठजोड़

हकीकत यह है कि आपातकाल के बाद से विधायिका और कार्यपालिका का कुछ ऐसा गठजोड़ बनता चला गया कि जनमत की ताकत रखने वाली जनता, एक नए तरह की परतंत्रता की शिकार होती चली गई। इसीलिए अदालत ने दिए निर्देश में कहा है कि कोई भी कार्रवाई करने से पहले 15 दिन का नोटिस और आरोपी को सुनने का मौका जरूर देना चाहिए। ये प्रावधान पहले से ही राज्यों की भू-राजस्व संहिताओं में है। इस संदर्भ में होता यह है कि तहसील अदालतें

पिछली तारीख में नोटिस निकालने और उसे प्रभावित पक्षकार के घर पर चिपकाने की कार्यवाही तहसील दस्तावेजों में दिखा देते हैं। तहसील और अनुविभागीय न्यायालयों का हाल यह है कि कंप्यूटरीकरण हो जाने के बाद भी इन अदालतों में विचाराधीन मामलों का तारीखवार दस्तावेजीकरण नहीं है। इसलिए जो राजस्व अदालतें कहती हैं, उसे ही ईश्वर की वाणी मानने पर पक्षकार को मजबूर होना पड़ता है। हालांकि इस फैसले में यह स्पष्ट कर दिया है कि ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया में प्रशासन और निकायों के लगभग सभी अधिकारी शामिल होंगे। मसलन अब कोई एकाधिकारी फैसला लेकर किसी के घर को नहीं तोड़ पाएगा। वाकई ऐसा होता है तो राज्य सरकारों के मुखियाओं के निरंकुश आचरण पर अंकुश लगेगा। लेकिन देखने में आता है कि उन मकानों को भी ध्वस्त किया गया है, जिनके पास भूखंड की रजिस्ट्री होने के साथ निकाय प्रशासन की भवन निर्माण की अनुमतियां भी हैं। भवन मालिक के पास बिजली और नल के कनेक्शन तो हैं ही, वह सालों से नगर पालिका या नगर निगम में संपत्ति कर भी जमा कर रहा है। यहां तक कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत भी निर्मित घरों को वन भूमि पर निर्मित होना बताकर मध्यप्रदेश में तोड़ा गया है। यहां सवाल उठता है कि आखिर यह कौन तय करेगा कि भूमि वन विभाग की है या राजस्व की? इस बाबत यह भी उल्लेखनीय है कि यदि कोई मकान सरकारी भूमि पर बनाया गया है तो उस पर निर्माण के दौरान ही कार्रवाई क्यों नहीं की गई? जबकि पटवारी और निकाय कार्यालयों के पास भूमि के मूल दस्तावेज होते हैं। यदि इस फैसले में जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर दंड का प्रावधान कर दिया जाए तो सरकारी भूमि पर कब्जा कर मकान बनाने का काम आरंभ ही नहीं होगा। सच्चाई यह है कि जब सरकारी भूमि पर मकान बनता है तो जिम्मेदार कर्मचारी पैसा लेकर आंख मूंद लेते हैं। ध्वस्तीकरण के सिलसिले में यह भी विचारणीय बिंदु है कि अनेक मकान किसी एक अपराधी की संपत्ति नहीं होती है। उसके भाई-बहन और माता-पिता भी उस संपत्ति के वैध हिस्सेदार होते हैं। ऐसे में बलात्कारी जैसे अपराधी के साथ-साथ परिजन भी निर्दोष होते हुए दंड में भागीदार हो जाते है।

हालांकि अदालत ने साफ किया है कि अवैध निर्माण और अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई कानूनी प्रक्रिया पूरी करके की जा सकती है। वैसे भी यह जरूरी है कि जो पेशेवर अपराधी खौफ दिखाकर सरकारी और निजी जमीनों पर कब्जा कर बहुमंजिला इमारतें खड़ी कर लेते हैं, वे इस कार्रवाई से बचने का मार्ग न निकाल लें। ऐसे अपराधियों को जब संवैधानिक-राजनीतिक सुरक्षा कवच मिल जाता है तो अपराध की भूमिका उनके राजनीतिक और आर्थिक साम्राज्य के विस्तार का कारण बनते जाते हैं। ऐसे लोगों को राजनेता एवं राजनीतिक दल न केवल संरक्षण देते हैं, बल्कि उसे विधानसभा या लोकसभा का टिकट देकर महिमामंडन भी करने का काम करते हैं।

नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत पर जोर

उत्तर प्रदेश के बाहुबली अतीक अहमद के सिलसिले में यही सब देखने में आ चुका है। उसने प्रयागराज में बीते साल कथित रूप से दो पुलिसकर्मियों की हत्या करा दी थी। न्यायिक सिद्धांत का तकाजा तो यही है कि एक तो अपराधी को समय पर ऐसी सजा मिले, जो फरियादी को न्याय लगे? यह स्थिति न्याय व्यवस्था पर भरोसा करने की बजाय, उसे खूंटी पर टांग देने का काम करती है। शायद इसीलिए सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान के तीनों अंग विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की शक्तियों के पृथकीकरण के सिद्धांत और अभियुक्त के कानूनी व संवैधानिक अधिकारों की व्याख्या करते हुए नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत पर जोर दिया है।

धीमी न्यायिक प्रक्रिया की सूरत बदले

दो टूक

उमेश चतुर्वेदी

राजनीतिक समीक्षक

उलेमा बनाम उत्तरी दिल्ली मामले पर सुनवाई के दौरान जिस तरह सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणियां की थीं, इस मामले पर आए फैसले का अंदेशा उनसे हो गया था। सबसे बड़ी अदालत ने बुलडोजर कार्रवाई पर पूरी रोक तो नहीं लगाई है, लेकिन इसके लिए मानक प्रक्रिया बनाकर राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों के हाथ जरूर बांध दिए हैं। जैसा कि हर फैसले के साथ होता है, हर पक्ष अपने-अपने हिसाब से इसकी व्याख्या कर रहा है। बुलडोजर कार्रवाई के विरोधी इसे अपनी जीत बता रहे हैं, वहीं इसके समर्थक इस फैसले में भी कार्रवाई के लिए राह खोज रहे हैं। इससे साफ है कि बुलडोजर न्याय सिर्फ स्पीड ब्रेकर का काम करेगा, ब्रेक नहीं बन पाएगा। स्पीड ब्रेकर तेज रफ्तार वाहनों की रफ्तार को धीमी करता है, जबकि ब्रेक गाड़ी को रोक देता है। यह फैसला भी कुछ इसी तरह का साबित होने जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई को नियंत्रित करते वक्त एक तथ्य पर ध्यान नहीं दिया है। हमारे यहां आपराधिक मामलों की सुनवाई की जो प्रक्रिया है और उसमें जिस तरह की देर लगती है, उसे अपराध करने वालों ने अपने लिए आड़ बना रखा है। बरसों तक धीमी गति से चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया का एक संदेश यह है कि ताकतवर चाहे तो अपराध करने के बावजूद प्रक्रिया की घुमावदार गलियों में न्यायिक फैसले को टाल सकता है। यह टालना इतना लंबा हो जाता है कि एक तरह से वह न्याय से इनकार हो जाता है। देर है पर अंधेर नहीं की सोच भी उबाऊ और धीमी न्यायिक प्रक्रिया के सामने धुंधली होते-होते समाप्त हो जाती है। इसी घुमावदार और लंबी-धीमी न्यायिक प्रक्रिया का विकल्प बनकर बुलडोजर न्याय उभरा था। राज्य सरकारों ने इसे त्वरित न्याय के साधन के तौर पर अपनाया और देखत ही देखते अपराधमुक्त समाज की चाहत रखने वालों की चहेती बन बैठीं।

त्वरित न्याय की अनदेखी

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई की मानक प्रक्रिया बनाते हुए त्वरित न्याय के विकल्प या न्यायिक प्रक्रिया की घुमावदार गलियों को पूरी तरह नजरंदाज किया है। यही वजह है कि इस फैसले के बाद अपराधियों, गैंगस्टरों, असामाजिक तत्वों के उभार को लेकर समाज का एक बड़ा वर्ग सशंकित हो उठा है। देश की सबसे बड़ी अदालत को इस सामाजिक सोच का भी संज्ञान लेना चाहिए और उसे भी आश्वस्त करना चाहिए कि उसके फैसले के बावजूद किसी गैंगस्टर, कोई अपराधी या समाज विरोधी तत्व को कमजोर तबके की जमीनों या सार्वजनिक संपत्तियों के अतिक्रमण का हक नहीं मिल जाता। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला उत्तरी दिल्ली के एक मामले में दिया है। अप्रैल 2022 में दिल्ली के जहांगीर पुरी में रामनवमी के दिन निकले जुलूस पर एक मस्जिद और उस इलाके से जुलूस पर हुए पथराव और उससे उपजी हिंसा के जवाब में दिल्ली नगर निगम ने अवैध अतिक्रमणों को हटाने के लिए बुलडोजर कार्रवाई की थी। इस कार्रवाई को सांप्रदायिक कार्रवाई का रंग देते हुए सेकुलर धारा के दिग्गज वकीलों मसलन कपिल

सिब्बल आदि ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। भले ही सुनवाई इसी मामले की होती रही, लेकिन संदेश ऐसा गया मानो उत्तर प्रदेश की सरकार की बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ सुनवाई हो रही है।

मुस्लिम तबके पर कार्रवाई की छवि

इसकी वजह यह रही कि उत्तर प्रदेश की सरकार ने त्वरित न्याय के विकल्प के रूप में इसे अपनाया। तब उत्तर प्रदेश सरकार को लेकर यह छवि बनाई गई कि वह सिर्फ अल्पसंख्यक यानी मुस्लिम तबकों के खिलाफ ही बुलडोजर कार्रवाई करती है। जबकि योगी सरकार ने माफिया और गैंगस्टर विकास दुबे के खिलाफ भी इस कार्रवाई को किया। भदोही के गैंगस्टर और राजनेता विजय मिश्रा की अतिक्रमित संपत्तियां भी उत्तर प्रदेश सरकार के निशाने पर रहीं। लेकिन प्रचारित सिर्फ अतीक, मुख्तार जैसे मुस्लिम दबंगों और माफियाओं की संपत्तियों के खिलाफ हुई कार्रवाई ही की जाती रहीं। इस बहाने त्वरित न्याय के इस सरकारी विकल्प को हिंदुत्ववादी राजनीतिक दर्शन का न सिर्फ नतीजा बताया गया, बल्कि यह नैरेटिव स्थापित कर दिया गया। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर आम लोगों के बीच संदेश यही गया है कि यह उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ आया फैसला है।

योगी सरकार रही निशाने पर

बुलडोजर कार्रवाई को लेकर प्रचारित सिर्फ योगी सरकार रही, लेकिन अवैध अतिक्रमण के खिलाफ आंध्र, तेलंगाना, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश आदि सरकारों ने भी की है। एक आंकड़े के मुताबिक, पिछले सात सालों में करीब 2000 अवैध अतिक्रमण बुलडोजर कार्रवाई में ढहाए गए। जिनमें सबसे ज्यादा करीब डेढ़ हजार मामले उत्तर प्रदेश के ही रहे। लेकिन उत्तर प्रदेश में इस कार्रवाई से खाली कराई गई जमीनों को कमजोर तबकों में बांटा भी गया है। करीब सात सौ ऐसे प्लॉट बांटे जा चुके हैं। बुलडोजर के शोर में इसकी चर्चा कम हो रही है।

निश्चित तौर पर इससे किसी को इनकार नहीं होगा कि किसी अपराधी के अपराध की कीमत उसका पूरा परिवार अपना घर गंवाकर क्यों चुकाए। लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि अपराधी का घर भी अगर सरकारी तंत्र के निशाने पर बना तो उसकी वजह उसका नियमित निर्माण नहीं, बल्कि अवैध कब्जा और अतिक्रमण रहा। अब तक बुलडोजर कार्रवाई नगर पालिकाओं, पंचायती राज संस्थाओं का विषय रहा है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद इसमें स्थानीय जिला अधिकारी और उप जिलाधिकारी भी शामिल हो गए हैं। बुलडोजर कार्रवाई जिला अधिकारी की निगरानी में होगी और इसके लिए मान्य प्रक्रिया और नोटिस आदि देने की अवधि का पूरी तरह निर्वहण किया जाएगा। इस प्रक्रिया की राह में एक बाधा नजर आ रही है। जिला प्रशासन समय और काम के बोझ का बहाना बनाकर ऐसी कार्रवाइयों को टाल सकता है। अपराधी, माफिया और गैंगस्टर कब्जे करते रहेंगे, और धीमी न्यायिक प्रक्रिया के चलते वे अपने अपराध को प्रकारांतर से स्थापित करते रहेंगे। इससे त्वरित न्याय प्रक्रिया की वैकल्पिक सोच भी कुंद होगी। ऐसे में न्याय की उम्मीद भी धुंधली होगी। ऐसे में आपराधिक तत्वों पर लगाम लगा पाना आसान नहीं रह जाएगा। बुलडोजर कार्रवाई वाले फैसले के बाद खास नैरेटिव को बढ़ावा मिलेगा। यह धारणा बलवती होगी कि सिर्फ हिंदुत्ववादी सरकारें ही बुलडोजर न्याय पर भरोसा करती हैं। सुप्रीम कोर्ट तो खुद मीडिया के बीच इस छवि के खंडन के लिए जा नहीं सकता। इसलिए दूसरे जिम्मेदार तंत्र को इस दिशा में प्रयास करना चाहिए। लगे हाथों सुप्रीम कोर्ट को न्याय में देरी और उसकी धीमी प्रक्रिया को भी नियंत्रित करने की कोशिश करनी चाहिए। अगर न्यायिक प्रक्रिया सामान्य तरीके से चलती रहे तो शायद ही कोई होगा, जो बुलडोजर कार्रवाई को ही न्याय का अंतिम विकल्प माने।

विशेषः अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस, 19 नवंबर

हमारे घर-परिवार की पारंपरिक संरचना में यह माना जाता रहा है कि पुरुष हर तरह की समस्या का सामना बखूबी कर सकते हैं। वे हर दर्द को सह सकते हैं, इसलिए उन्हें स्नेह, सहयोग और संबल की दरकार नहीं होती। लेकिन वास्तविकता यह नहीं है। इस ओर पूरी दुनिया का ध्यान आकृष्ट करने के लिए ही अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस मनाया जाता है। इस दिन की प्रासंगिकता के बारे में हम सभी को पता होना चाहिए।

पुरुषों को भी चाहिए स्नेह-सहयोग का परिवेश

कवर स्टोरी

तेजस्विनी

आमतौर पर घर के पुरुष सदस्य, भावनात्मक उलझनें ही नहीं शारीरिक परेशानियां भी अपनों से साझा नहीं करते। असल में पिता, पति, भाई, बेटे की जिम्मेदारी निभाते पुरुष, अपनी समस्याओं को बताकर अपनों की चिंता नहीं बढ़ाना चाहते। ऐसे में यह आवश्यक है कि घर के दूसरे सदस्य उनकी मनःस्थिति भी समझें और बीमारियों के बढ़ते घेरे को लेकर सचेत भी रहें। जीवन के कई मोर्चों पर जूझते पुरुषों की संभाल-देखभाल के लिए इमोशनल सपोर्ट और देखभाल का भाव पारिवारिक परिवेश का हिस्सा बने।

साथ-सहभागिता का भाव

समझना आवश्यक है कि हर परिस्थिति में खुद को मजबूत बनाए रखने की सोच के चलते पुरुष मन की टीस खुलकर दिखाई नहीं देती। जबकि जीवन की आपा-धापी से मुठभेड़ करते हुए मन की पीड़ा और शारीरिक परेशानियों का घेरा उनके चारों ओर भी कसता है। यही वजह है कि घर-परिवार में पुरुष सदस्यों के प्रति भी साथ-स्नेह का भाव जरूरी है।

पुरुष भी रखें एक-दूसरे का खयाल

असल में केवल महिलाओं को नहीं ही नहीं, हर उम्र के पुरुषों को भी खुलकर जीने और खुशहाल रहने के लिए हेल्दी एनवॉयर्नमेंट की आवश्यकता होती है। हालांकि इस विषय में जरा कम ही सोचा जाता है पर मानवीय भाव-चाव के मुद्दे पर देखा-समझा जाए तो सकारात्मक परिवेश की दरकार हर इंसान को होती है। यही वजह है कि इस वर्ष पुरुष दिवस का विषय अपने पुरुष साथियों का ख्याल रखने की ओर ध्यान दिलाता है। यह साथी कोई सहकर्मी भी हो सकता है और परिजन भी। मित्र भी हो सकता है और जीवनसाथी भी। आस-पड़ोस के परिवार का कोई पुरुष सदस्य भी हो सकता है और घरेलू काम-काज संभालने वाला पुरुष सहायक भी। यह थीम उन पुरुषों तक पहुंचने के लिए प्रोत्साहित करती है, जो अपने परिवार, व्यक्तिगत जीवन, सामाजिक परिवेश और काम-काजी दुनिया में संघर्ष कर रहे हैं। साथ ही उनकी सराहना करने और अचीवमेंट्स का उत्सव मनाने का सुंदर अवसर भी है। ताकि पुरुषों के प्रति स्नेहमयी भावनाएं संजोने और सहायता करने की सोच को बल दिया जा सके।

इस वर्ष की थीम

अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस, पुरुषों के मन-जीवन से जुड़े पहलुओं को समझने का संदेश देता है। इस वर्ष इंटरनेशनल मेंस-डे का विषय 'पुरुषों के स्वास्थ्य चैंपियन' है। इस वर्ष की यह थीम पुरुषों के स्वास्थ्य की संभाल के लिए हेल्पफुल कम्युनिटीज बनाने का संदेश लिए है। यह विषय ऐसे स्वस्थ समुदायों का निर्माण करने की बात लिए है, जिनमें ना केवल अपने-पराए लोग बल्कि स्वयं पुरुष भी अपने दूसरे पुरुष साथियों के मददगार बन सकें। ऐसा परिवेश, जिसमें पुरुषों की मनःस्थिति समझी जा सके। तकलीफें साझा कर उनका हल सुझाया जाए।

बढ़ रही सेहत संबंधी परेशानियां

हाल के सालों में पुरुषों में सेहत से जुड़ी तकलीफें तो बढ़ी ही हैं, रिश्तों के बिखराव की उलझनें भी उन्हें घेर रही हैं। परंपरागत परिवेश वाले हमारे समाज में पहले महिलाएं-लड़कियां भी भावनात्मक टूटन का शिकार बनती थीं। हर बिगाड़ का भार उन पर ही डाल देने का माहौल था। अब स्थितियां पूरी तरह बदल गई हैं। पुरुषों में अपनी भावनाओं को लेकर खुलकर बात करने की आदत नहीं होती। इतना ही नहीं अधिकतर पुरुष घर-दफ्तर की जिम्मेदारियों से जुड़े मानसिक तनाव को भी अपनों से साझा नहीं करते। आज के उलझते जीवन की आपा-धापी से अकेले जूझने और परेशानियों को छिपाने की प्रवृत्ति के कारण पुरुषों का मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ रहा है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंसेज के मुताबिक 20 से 24 वर्ष की उम्र के वयस्कों में महिलाओं की तुलना में पुरुषों में आत्महत्या से जीवन गंवाने की संभावना 5 गुना अधिक है। दुनिया भर में 10 में से सुसाइड के करीब 7 मामले पुरुषों के होते हैं। पुरुषों के हर हाल में मजबूत दिखने के भाव तले भावनात्मक मोर्चे पर बहुत कुछ दरक रहा है। रूटीन लाइफ में अधिकतर पुरुष चिड़चिड़ेपन, घबराहट, डिप्रेशन और शारीरिक-मानसिक थकान से जूझते हैं। मोटापा, डायबिटीज और प्रोटेस्ट कैंसर, इंफर्टिलिटी जैसी समस्याओं के शिकार पुरुषों के आंकड़े बढ़ रहे हैं। ऐसे में समाज, परिवार और परिवेश को पुरुषों का भी सहयोगी बनना होगा। अध्ययन बताते हैं कि पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने से उनके मनोभावों में भी सकारात्मक बदलाव आते हैं। यह बदलता रुख उनके परिवार, मित्रों और सामाजिक माहौल के लिए भी लाभकारी होता है।

जागरूकता है सबसे जरूरी

अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस एक ग्लोबल सेलिब्रेशन है। ऐसा विशेष दिन, जो पुरुषों की हेल्थ, वेलफेयर और जेंडर इक्वेलिटी से जुड़े अहम मुद्दों को संबोधित करते हुए पुरुषों के लिए सकारात्मक परिवेश बनाने से जुड़ा है। साथ ही यह उनके योगदान और उपलब्धियों का जश्न मनाने का भी संदेश देता है। समझना मुश्किल नहीं, अपनी बेहतरी से जुड़ा पॉजिटिव माहौल बनाने के लिए स्त्री हो या पुरुष, सभी को खुद भी आगे आने के प्रयास करने होते हैं। सजग और जागरूक बन अपनी भूमिका के मायने समझने और समझाने का प्रयास करना होता है। यही वजह है कि 'पुरुषों के स्वास्थ्य चैंपियन' थीम के तहत चार सब-थीम्स भी हैं। ये उप विषय हैं- प्रयास करें, स्वस्थ रहें, स्वस्थ भविष्य का निर्माण करें, अपने साथियों का खयाल रखें और समुदाय का सकारात्मक परिवेश बनाएं। ऐसी सभी बातें पुरुषों की सेहत सहेजने वाली गतिविधियों को बढ़ावा देने और भावनात्मक मोर्चे पर सहयोगी बनने के विचार से जुड़ी हैं, साथ ही यह भी स्पष्ट करती है कि इस बदलाव के लिए पुरुषों की जागरूकता और सहभागिता भी आवश्यक है।

आमतौर पर सब कुछ संभाल लेने की धुन के चलते पुरुष, औरों से मिलने वाले सहयोग-संबल के प्रति भी जरा रूखा बर्ताव अपनाते हैं। ऐसे में मनःस्थिति के बदलाव से जुड़े संवाद से लेकर अपनी हेल्थ के प्रति सजग होने तक, खुद का साथी भी बनना होगा। साथ ही समाज-परिवार के लोगों से मिल रहे सहयोग का स्वागत करने का भाव रखना भी बेहद आवश्यक है। तभी आप खुश रहेंगे और अपना ध्यान भी अच्छी तरह रख पाएंगे। *

कविता

डॉ. मोनिका शर्मा

पुरुषत्व की प्रवृत्ति

पुरुषत्व की उदात्त और उदार प्रवृत्ति
विमर्श का विषय नहीं बनी कभी
दायित्वबोध का भाव और चाहतों का चाव
नहीं पा सके स्थान वैचारिक बहसों में।
संबंधों की चौसर पर
सदा शंकित ही रहा उनका सच
कर्तव्यबोध की सलाइयों पर
स्वयं को बुनते-उधेड़ते
विरोधों, अवरोधों और प्रतिरोधों के
फंदों की हर गांठ में
घुटते दम के दम पर कमाते हुए धन
खो गया हृदय का स्पंदन।
रिश्तों-नातों की उलझी रूपरेखा में
मान-सम्मान के अनगिनत मोर्चे साधते
भीगी आंखों से अपने हिस्से आए
अविश्वसनीय अनुबंध बांचते
दफ्तर में आश्वासन ओढ़ते-बिछाते
घर आकर आत्मविश्वास दिखाते,
पुरुष, ओढ़े रहते कृत्रिम सहजता
कि भरे रहें आशाओं के कनस्तर
और विश्वास की पेटियों में
तहाकर सहेजी जा सकें
अपनों के सुरक्षित होने की अनुभूतियां।

काम की अधिकता की वजह से हर एज के वर्किंग प्रोफेशनल्स में कई तरह की फिजिकल और मेंटल प्रॉब्लम्स जन्म लेने लगती है। इसलिए मौजूदा दौर में वर्क-लाइफ बैलेंस बहुत जरूरी हो गया है। इसके कुछ इफेक्टिव स्टेप्स के बारे में बता रहे हैं आपको।

पर्सनल-प्रोफेशनल लाइफ में बना रहे प्रॉपर बैलेंस

लाइफस्टाइल

शिखर चंद जैन

माना कि जीविकोपार्जन और जीवन में सुकून के लिए पैसा कमाना बेहद आवश्यक है, लेकिन यह बीमारी और बेचैन मनःस्थिति का सबब बन जाए तो ऐसी इनकम का क्या फायदा? सफलता-समृद्धि के साथ-साथ खुशहाल और सेहतमंद जिंदगी भी जरूरी है।

संतुलन है जरूरीः जीवन में सबसे ज्यादा जरूरी है संतुलन। जिंदगी दोपहिया वाहनों जैसी होती है, जिसे सही तरीके से चलाने के लिए पहली और आखिरी जरूरत संतुलन की ही होती है। जैसे खान-पान के मामले में स्वाद और सेहत के बीच संतुलन जरूरी है, उसी तरह सुकून के मामले में घर-परिवार और काम-काल के बीच भी संतुलन जरूरी है।

अपनी जरूरतें समझेंः सबसे पहले आपको चाहतों और जरूरतों के बीच अंतर करना सीखना होगा। चाहतें कभी पूरी नहीं होतीं लेकिन आप अपनी जरूरतों को मेहनत और सूझ-बूझ से पूरा कर सकते हैं। दिन-रात चाहतों के पीछे भागने वाले लोग अकसर अपनी जिंदगी से असंतुष्ट रहते हैं और ज्यादतर दुखी रहते हैं। इसी वजह से वे अपने घर-परिवार और सामाजिक संबंधों को भी खास तवज्जो नहीं देते। नतीजतन इनका वर्क-लाइफ बैलेंस गड़बड़ हो जाता है और वे अपने सामाजिक दायरे में भी अलग-थलग रहने लगते हैं।

अपनी जिंदगी को दें अहमियतः क्या इस दुनिया में आपकी अपनी जिंदगी से भी महत्वपूर्ण कोई दूसरी चीज हो सकती है? कतई नहीं! आपकी जिंदगी ना सिर्फ आपके लिए बल्कि आपके नजदीकी परिजनों के लिए भी बेहद कीमती है। इसलिए अपने तन और मन के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रोफेशन के साथ-साथ अपनी फिटनेस और मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान दें। इसके तहत आपको वर्कआउट, मॉर्निंग वॉक और मेडिटेशन के साथ-साथ अपनी हॉबी को भी समय देना चाहिए। ये एक्टिविटीज आपको प्रसन्न रखेंगी और स्वस्थ भी रखेंगी, जिससे आप अपने प्रोफेशन और परिवार दोनों पर सही तरीके से ध्यान दे पाएंगे।

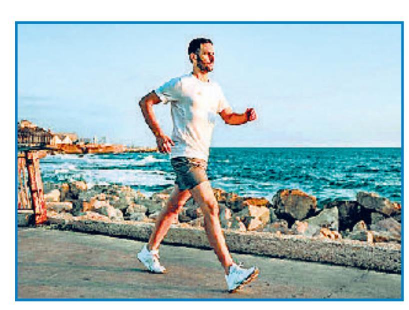

परिवार को दें समुचित समयः आपको यह बात कभी नहीं भूलनी चाहिए कि आप जो कुछ हैं, अपने परिवार की वजह से हैं। इसलिए आपके परिवार को आपसे समुचित समय भी मिलना चाहिए। माना कि आप मेहनत करके पैसा उनके लिए ही अर्न करते हैं, लेकिन उन्हें आपसे सिर्फ आर्थिक सपोर्ट नहीं बल्कि मानसिक सपोर्ट भी चाहिए और आपका सान्निध्य भी। बच्चे आपके साथ खेलना-कूदना चाहते हैं, जीवनसाथी आपके साथ हंसी-मजाक, प्यार का इजहार और घूमना-फिरना चाहता हैं, माता-पिता आपसे दो घड़ी बातचीत और स्नेहपूर्ण व्यवहार चाहते हैं। इन सबसे सिर्फ उन्हें ही नहीं आपको भी सुकून मिलेगा।

वर्कप्लेस पर रहें फोकस्डः किसी भी कारोबार या प्रोफेशन में सफलता हासिल करने के लिए फोकस्ड रहना बेहद आवश्यक है। आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहने और अपनी आय बढ़ाने के लिए आपको अपनी पूरी मानसिक, शारीरिक ऊर्जा का इस्तेमाल करना चाहिए। वर्कप्लेस पर आपको सिर्फ और सिर्फ अपने काम पर ही ध्यान देना चाहिए ताकि आप अपने वर्कप्लेस टास्क अच्छी तरह पूरे कर सकें।

स्पीड पर रखें कंट्रोलः आजकल जिसे देखिए वो जल्दबाजी में नजर आता है। हर काम की रफ्तार ऐसी रहती है मानो, जिंदगी को जीना ना हो बल्कि जल्दी से जल्दी बिताना हो। हालात ऐसे हैं कि ज्यादातर लोग व्यस्त कम, अस्त-व्यस्त ज्यादा नजर आते हैं। तेज रफ्तार के कारण सेहत का संतुलन इस कदर बिगड़ चुका है कि अधिकतर लोग हार्ट डिजीज, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और मोटापा जैसी लाइफस्टाइल बीमारियों की चपेट में हैं और मानसिक बीमारियों जैसे डिप्रेशन, एंग्जायटी और स्ट्रेस से ग्रस्त हो चुके हैं। इन दिनों दुनिया भर के लाइफ कोच, समाजशास्त्री, मनोविज्ञानी और व्यवहार विशेषज्ञ खुशहाल और संतुष्ट जीवन के लिए सहज गति से जीने की सलाह दे रहे हैं। इसके लिए पटरिंग यानी धीमी गति से पसंदीदा एक्टिविटीज में समय व्यतीत करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। दुनिया के सबसे अमीर लोगों में शुमार अमेजॉन के चीफ एग्जीक्यूटिव जेफ बेजोस ने अपनी ताजा पुस्तक 'इन्वेंट एंड वांडरः द कलेक्टेड राइटिंग ऑफ जेफ बेजोस' में लिखा है कि वह अपने दिन की शुरुआत पटरिंग से करते हैं। कोई जल्दी नहीं, कोई हड़बड़ी नहीं। वे लिखते हैं, 'मैं अखबार पढ़ना पसंद करता हूं। कॉफी पीता हूं। आराम से बच्चों के साथ ब्रेकफास्ट करता हूं। रात को 8 घंटे की नींद मेरा रुटीन है। इससे मुझे सही ढंग से सोचने, मूड अच्छा रखने और एनर्जी लेवल ऊंचा रखने में मदद मिलती है। मेरी वर्किंग सुबह 10:00 बजे से शुरू होती है।'

आत्म अवलोकन भी करेंः आप अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में सही संतुलन बना पा रहे हैं या नहीं, इस बात को जानने के लिए समय-समय पर आत्म अवलोकन अवश्य करें। इससे आप जान सकेंगे कि कहीं आप अपने जीवन की गाड़ी को गलत तरीके से और गलत दिशा में तो नहीं चला रहे। साथ ही तरक्की के लिए बदलाव लगातार करें और पूरी योजना के साथ अपने काम को अंजाम दें। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

उद्भ्रांत की कविताएं

कम ही रचनाकार ऐसे होते हैं, जिनकी रचनात्मक सक्रियता वर्षों नहीं दशकों तक बनी रहती है। उद्भ्रांत ऐसे ही विलक्षण लेखक हैं। विशेष तौर पर कविता के क्षेत्र में उन्होंने भरपूर लेखन किया है। हाल में उनकी कविताओं का एक चयन, हरे प्रकाश उपाध्याय के संपादन में 'यही तो है जिंदगी' शीर्षक से प्रकाशित होकर आया है। जिस प्रचुर मात्रा और विभिन्न विधाओं में उन्होंने काव्य लेखन किया है, उसका प्रतिनिधि संकलन तो इसे नहीं कहा जा सकता है लेकिन उसकी एक बानगी इस पुस्तक से जरूर मिलती है। जिस तरह जीवन की लगभग हर परिस्थिति और मनोदशा में वे गहन विषय से लेकर सूक्ष्म संवेदना पर भी कविता लिखते हैं, उससे सिद्ध होता है कि वे कविता रचते नहीं, उसे जीते हैं। उनके ही शब्दों में कहा जा सकता है 'मेरे पास/आदि से अनंत/और/पृथ्वी से आकाश/प्रकाश बिखेरता/कविता का सूरज है।' (मेरे पास) *

पुस्तकः यही तो है जिंदगी (उद्भ्रांत की कविताओं से एक चयन), **चयन व संपादनः** हरे प्रकाश उपाध्याय, **मूल्यः** 450 रुपए, **प्रकाशकः** रश्मि प्रकाशन, लखनऊ

लघुकथाएं

बीमा पॉलिसी

बीमा एजेंट, विजय को अपनी बीमा कंपनी की नई फायदेमंद स्कीम के बारे में जानकारी दे रहा था, 'यह बहुत फायदेमंद प्लान है, इसमें आपको मात्र बीस हजार रुपए सालाना तीस साल तक जमा करना है। उसके बाद मैच्योरिटी पूरी होने पर आपको एकमुश्त 25 लाख रुपए दिए जाएंगे। इस बीच खुदा न खास्ता यदि आपकी मृत्यु हो गई तो परिवार के आश्रित को पंद्रह लाख दिए जाएंगे। दूसरी बीमा पॉलिसी की योजना और बढ़िया है। इसमें पचीस वर्ष तक चालीस हजार रुपए सालाना पर पचास लाख का रिस्क कवर है।'

विजय विचार कर रहा था कि आखिर कौन-सी पॉलिसी लेना आर्थिक दृष्टिकोण से फायदेमंद होगा। काफी सोच-विचार कर उसने पहली किश्त के रूप में बीस हजार रुपए देते हुए पहली वाली पॉलिसी ले ली।

विजय की गोद में बैठी छह वर्षीया बेटी परी सब कुछ चुपचाप सुन रही थी। थोड़ी देर बाद वह उत्सुकतावश पूछ बैठी, 'पापा, आप इन अंकल को इतने पैसे क्यों दे रहे हैं?'

नन्ही बच्ची के मासूम सवाल पर विजय कुछ बोलता इससे पहले बीमा एजेंट बोल पड़ा, 'बेटा, पापा आप लोगों के भविष्य को सुरक्षित कर रहे हैं, आपको और आपके मम्मी को ढेर सारा पैसा मिले...।'

'वो कैसे अंकल?' परी ने एजेंट को बीच में ही टोकते हुए पूछा।

'ऐसा है बेटा, यदि किसी कारणवश आपके पापा आप लोगों के साथ नहीं रह पाए तो आपको इनके द्वारा बीमा के रूप में अभी जमा किए गए पैसे के एवज में खूब सारा पैसा मिलेगा, जिससे आप खूब पढ़ सकें और आपको खाने-पीने, पहनने की कभी कोई तकलीफ ना हो।' एजेंट ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया।

परी गंभीरता से एजेंट की बातें सुन रही थी। वह पापा की गोद से उतर कर अंदर चली गई। इधर विजय, बीमा पेपर पर दस्तखत करने लगा। थोड़ी देर बाद परी अपना गुल्लक लेकर आई और एजेंट के हाथों में देते हुए बोली, 'अंकल, मैं हर महीने आपको गुल्लक का पैसा दे दिया करूंगी, आप मेरे पापा के नाम पर ऐसी बीमा पॉलिसी खोल दीजिए, जिससे मेरे पापा कभी भी हमें छोड़कर नहीं जाएं, हमें तो बस पापा चाहिए, रुपया-पैसा नहीं।'

परी की मासूमियत भरी बातें सुन नजरें चुरा रहे बीमा एजेंट की ओर देखते हुए विजय मन ही मन सोचने लगे, 'काश कोई स्कीम जीवन सुरक्षा की गारंटी देने के लिए भी बनी होती!' *

-विनोद कुमार विक्की

सबक

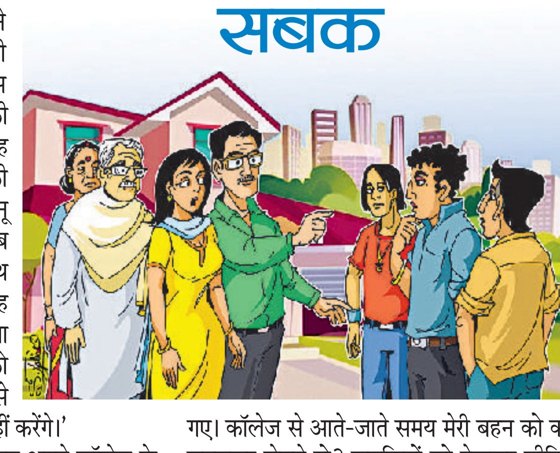

आलोक सर, आपने अपने पवित्र पद की गरिमा को ठेस पहुंचाई है। मुझसे बदसलूकी की है, मेरे साथ छेड़छाड़ करके। यह एक बदनुमा दाग है, आपकी स्वच्छ छवि पर। मेरा भाई जुगनू बहुत ही गुस्से वाला है। उसे जब पता चलेगा कि आपने मेरे साथ ऐसी ओछी हरकत की है तो वह आपको ऐसा सबक सिखाएगा कि भविष्य में किसी लड़की को छेड़ना तो दूर, उसे बुरी नजर से देखने का दुस्साहस भी आप नहीं करेंगे।'

क्रोध से तमतमाती हुई खुशबू अपने कॉलेज के प्रोफेसर आलोक को बुरा-भला कहकर पैर पटकती हुई कॉलेज परिसर से बाहर निकल गई। सभी छात्र-छात्राएं हतप्रभ खड़े देखते रह गए। उन्हें समझ में नहीं आ रहा था कि शांत स्वभाव वाले, चरित्रवान प्रोफेसर आलोक ने ऐसी गंदी हरकत क्यों की? कुछ मनचलों ने तो इसका वीडियो भी बना डाला।

शाम को जुगनू अपने साथियों के साथ प्रोफेसर आलोक के घर के सामने खड़े होकर चिल्ला रहा था, 'बाहर निकल आलोक...!'

प्रोफेसर आलोक अपनी बहन और माता-पिता के साथ बाहर आए। उनकी बहन को देखकर जुगनू के होश उड़ गए। प्रोफेसर आलोक, जुगनू की आंखों में आंखें डालकर बोले, 'तुम्हारी बहन को छेड़ा तो तुम्हारा खून खौल उठा। मरने-मारने के लिए तैयार हो गए। कॉलेज से आते-जाते समय मेरी बहन को क्या समझकर छेड़ते हो? लड़कियों को देखकर सीटियां बजाना, फब्तियां कसना, अश्लील इशारे करना कहां की शराफत है? यह तो शोहदों की निशानी है। मैंने तुम्हें समझाने, सुधारने के लिए अपने दोस्त को तुम्हारे पास भेजा फिर भी तुम अपनी गंदी हरकतों से बाज नहीं आए तो मजबूरन तुम्हारी बहन के साथ मिलकर हमें यह नाटक रचना पड़ा।' अपनी बात समाप्त करके प्रोफेसर आलोक ने खुशबू को फोन लगाया। मोबाइल का स्पीकर ऑन कर दिया। उधर से खुशबू की आवाज आई, 'हैलो हैलो हैलो भैया।'

अपनी बहन की आवाज पहचानकर शर्म के मारे जुगनू की गर्दन झुक गई। प्रोफेसर आलोक के सामने हाथ जोड़कर बोला, 'सॉरी सर!'

आलोक के परिवार ने राहत की सांस ली। *

-अशोक वाधवाणी

कराची या इस्लामाबाद में नहीं... अलीगढ़ में पड़ी थी देश के बंटवारे की नींव : सीएम

सपा व पाकिस्तान पर बरसे सीएम योगी आदित्यनाथ

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अलीगढ़ के खैर विधानसभा क्षेत्र में सपा पर जमकर बरसे। बिना नाम लिए अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी पर भी निशाना साधा। देश के बंटवारे की याद दिलाते हुए कहा कि वर्ष 1906 में देश विभाजन की नींव रखने वाली मुस्लिम लीग की स्थापना इसी अलीगढ़ में हुई थी। यहां के लोगों ने उनकी चलने नहीं दी, पर देश को सांप्रदायिक आधार पर बांटने में उनकी मंशा सफल हो गई।

मुस्लिम लीग की स्थापना कराची, इस्लामाबाद या ढाका में नहीं हुई। ये खतरनाक मंशा अभी भी समाप्त नहीं हुई है। उस समय समाज को बांटने का काम मुस्लिम लीग कर रही थी, वही काम अब समाजवादी पार्टी कर रही है। 1947 में देश के विभाजन में लाखों निर्दोष लोग काटे गए। योगी ने प्रयागराज के फूलपुर में भी जनसभा कर सपा पर हमला बोला। गाजियाबाद तथा कानपुर के सीसामऊ में रोड शो किया।

अयोध्या के लिए क्यों करना पड़ा इंतजार?

जनसभाओं में योगी ने सवाल किया- अयोध्या के लिए पांच सौ वर्षों का इंतजार क्यों करना पड़ा। अयोध्या, मथुरा, काशी में क्यों अपमान झेलना पड़ा, 1947 में दस लाख हिंदुओं को क्यों कटना पड़ा था। फिर खुद ही जवाब देते हुए बोले- तब हम बंटे थे। अब बंटना नहीं है। खैर में मुख्यमंत्री ने पाकिस्तान पर भी निशाना साधा। कहा, अलीगढ़ में राजा महेंद्र प्रताप सिंह के नाम पर विश्वविद्यालय तथा पाकिस्तान की रूह कंपाने के लिए डिफेंस कॉरिडोर का निर्माण हुआ है। यहां बनी तोप सीमाओं पर दुश्मन की तरफ नाल करके गरजेगी तो पाकिस्तान की रूह कांप जाएगी।

युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की छूट किसी को नहीं

फूलपुर में मुख्यमंत्री ने कहा कि हम युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की छूट किसी को नहीं देंगे। प्रतियोगी परीक्षा शुचितापूर्ण तरीके से हो, इसके लिए सरकार माहौल बनाएगी। नौकरी में अच्छे नौजवान आएंगे। योगी ने सपा को भी घेरा। बोले- सपा परीक्षाओं की शुचिता का विरोध करती है। सपा को विकास, युवाओं तथा किसान से कोई मतलब नहीं। हमने वादा किया था कि उत्तर प्रदेश को दंगा मुक्त बनाएंगे, माफिया को खत्म करेंगे। माफिया के साथ जब सख्ती होती है तो सपा को पीड़ा होती है।

भारत ने लंबी दूरी की मारक क्षमता वाली हाइपरसोनिक मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया

एजेंसी

नई दिल्ली, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ने ओडिशा के तट से दूर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से लंबी दूरी की मारक क्षमता वाली हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। अधिकारियों के अनुसार, हाइपरसोनिक मिसाइल का शनिवार को परीक्षण किया गया। सिंह ने इस मिसाइल के परीक्षण को एक ऐतिहासिक पल करार दिया और कहा कि इससे भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो गया है, जिनके पास ऐसी महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों को विकसित करने की क्षमता है। रक्षा मंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत ने ओडिशा के तट पर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से लंबी दूरी की मारक क्षमता वाली हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

गोधरा कांड पर बनी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट की पीएम मोदी ने की तारीफ

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2002 में गुजरात के गोधरा में हुए ट्रेन अग्निकांड की घटना पर बनी एक फिल्म का जिक्र करते हुए रविवार को कहा कि फर्जी विमर्श को कुछ समय के लिए ही आगे बढ़ाया जा सकता है। उक्त घटना के समय वह गुजरात के मुख्यमंत्री थे। मोदी ने यह टिप्पणी एक उपयोगकर्ता के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए की। पोस्ट में फिल्म साबरमती रिपोर्ट की प्रशंसा करते हुए कहा गया कि यह हमारे हाल के इतिहास की सबसे शर्मनाक घटनाओं में से एक की महत्वपूर्ण सच्चाई को सामने लाती है।

उपयोगकर्ता ने अन्य बिंदु भी उठाए, जिनमें दावा किया गया कि साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन में यात्रियों को बेरहमी से जलाए जाने की घटना को निहित स्वार्थ वाले समूह द्वारा राजनीतिक खेल में बदल दिया गया। उसने मोदी के स्पष्ट संदर्भ में कहा कि एक नेता की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा, ठीक कहा। यह अच्छी बात है कि यह सच्चाई सामने आ रही है और वह भी इस तरह कि आम लोग इसे देख सकें।

अयोध्या से बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों को लेकर आ रही ट्रेन में आग लगाने का आरोप मुस्लिम भीड़ पर लगा था। वहीं, अन्य तबके ने इसे महज एक हादसा कहा। इस आग में 50 से अधिक यात्री मारे गए थे, जिसके बाद गुजरात में सांप्रदायिक दंगे भड़क उठे। केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार में रेल मंत्री रहने के दौरान लालू प्रसाद द्वारा गठित की गई जांच समिति ने हादसे के सिद्धांत का समर्थन किया था। हालांकि, ट्रेन में आग लगाने के मामले में कई आरोपियों को अदालतों ने दोषी ठहराया, जिससे राज्य पुलिस के दावे की पुष्टि हुई।

मौसम

अधिकतम तापमान 33.c

न्यूनतम तापमान 24.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 81,634.72

निफ्टी 25,013.85

एसडीएम को थप्पड़ मारने वाला निर्दलीय उम्मीदवार गिरफ्तार

एजेंसी

राजस्थान। राजस्थान की देवली-उनियारा विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान के दौरान ड्यूटी पर तैनात एक उप-विभागीय अधिकारी को थप्पड़ मारने वाले निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा को शनिवार को एक अन्य मामले में पेशी के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मीणा अधिकारी को थप्पड़ मारने के आरोप में पहले से ही हिरासत में थे। टोंक के पुलिस अधीक्षक (एसपी) विकास सांगवान ने बताया कि एक दिन पहले न्यायिक हिरासत में भेजे गए मीणा को कड़ी सुरक्षा के बीच जेल से टोंक के कोतवाली थाने लाया गया और पूछताछ की गई। उन्होंने बताया, बुधवार रात समरावता गांव में हुई आगजनी के मामले में शनिवार को मीणा को पेशी के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया। उसे रविवार को अदालत में पेश किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि मीणा और अन्य लोगों के खिलाफ चार प्राथमिकियां दर्ज की गईं। मामले के सिलसिले में 52 अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया। समरावता गांव में 13 नवंबर को मतदान के दौरान चुनाव ड्यूटी पर तैनात एसडीएम अमित चौधरी को मीणा ने थप्पड़ मार दिया था।

पुलिस मार्च पर अखिलेश यादव का तंज

जनता का विश्वास जीतने के लिए दल-बल की ये परेड हो रही

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में नौ विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए 20 नवंबर को होने वाले मतदान की तैयारियों के बीच समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष एवं राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासन में चुनाव में इतनी धांधली हो रही है और जनता का विश्वास जीतने के लिए दल-बल की परेड कराई जा रही है।

सपा प्रमुख यादव ने मुरादाबाद जिले की कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र में पैदल मार्च कर रहे पुलिसकर्मियों का छह सेकंड का वीडियो एक्स पर साझा करते हुए कहा, ये जो युद्ध स्तरीय तैयारी है उसे चीन की सीमा समझने की भूल न करें, ये तो उत्तर प्रदेश का कुंदरकी है जहां विधानसभा का उपचुनाव है। यादव ने आरोप लगाया, दरअसल भाजपा राज में चुनाव को लेकर इतनी धांधली हो रही है कि उत्तर प्रदेश की जनता का कानून-व्यवस्था से विश्वास ही उठ गया है। इसीलिए जनता का विश्वास जीतने के लिए दल-बल की ये परेड कराई जा रही है।

सपा प्रमुख ने कहा, वैसे मीडिया का मानना है कि ये मन से डर निकालने की नहीं, मन में डर डालने की प्रक्रिया ज्यादा लग रही है, जिससे सत्ताधारी दल को चुनाव में बल मिले और जनता कम से कम संख्या में वोट डालने के लिए बाहर निकले, जिससे चुनावी घोटाला करने में आसानी हो और घोटाले के गवाह कम हो सकें। उन्होंने दावा किया, लेकिन इन सबके बाद भी जनता ने ठान लिया है कि वो बाहर आएगी और भाजपा को हराने-हटाने को लिए वोट करेगी।

पूर्व मुख्यमंत्री ने इस संबंध में निर्वाचन आयोग से आग्रहकि वह वोटिंग कम करवाने की इस साजिश को नाकाम करे। यादव ने ? कहा, इस बार जनता अपने मोबाइल कैमरों के साथ तैनात रहेगी और गड़बड़ी करने वाले किसी भी स्तर के व्यक्ति को अदालत तक ले जाकर दंड दिलवाकर ही मानेगी। सपा अध्यक्ष ने कहा, जनता ने मतदान भी, सावधान भी का नारा स्वीकार कर लिया है और अपने वोट की रक्षा के लिए सब कुछ करने को तैयार है। इस बार भाजपाई चुनावी घोटालेबाज अपनी खैर मनाएं। उत्तर प्रदेश में जिन नौ विधानसभा सीट पर चुनाव होने हैं, उनमें कटेहरी (आंबेडकरनगर), करहल (मैनपुरी), मीरापुर (मुजफ्फरनगर), गाजियाबाद, मझवां (मिजार्पुर), सीसामऊ (कानपुर शहर), खैर (अलीगढ़), फूलपुर (प्रयागराज) और कुंदरकी (मुरादाबाद) शामिल हैं।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बैकुण्ठपुर, जिला कोरिया (छ.ग.)

//उद्घोषणा//

इस ईश्तहार के द्वारा सूचित किया जाता है आवेदिका सतरूपा गुप्ता पति बैजनाथ जाति वैश्य निवासी बैकुण्ठपुर थाना व तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम बैकुण्ठपुर स्थित भूमि ख.न. 30/3/ग, 30/3/घ रकबा 0. 0180, 0.0180 हे. राजस्व अभिलेख में आवेदिका के नाम पर दर्ज है। उक्त भूमि आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तित भूमि है। आवेदिका उक्त भूमि के भू-तुल पर 79.73 वर्गमीटर एवं प्रथम तल 79.73 वर्गमीटर पर आवासीय प्रयोजन हेतु मकान निर्माण कराये जाने हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र की मांग की है।

अतः उपरोक्त संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अभिभाशक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 29/11/24 तक आपत्ति पे कर सकते है। निर्धारित समयावधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई सुनवाई नही होगी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ.ग.

न्यायालय कार्यालय दण्डाधिकारी बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ.ग.

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्रामवासी/नगरवासी ग्राम आम जनता को ईश्तहार के जरिए सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका सदन सिंह पिता/पति स्व. शिवलाल सिंह जाति गोड़ निवासी डोगरीपारा तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया के द्वारा स्व. शिवलाल सिंह निवासी डोगरीपारा का जन्म/मृत्यु दिनांक 08/06/1993 को होने के कारण जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

आवेदक/आवेदिका द्वारा प्रस्तुत उक्त जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने पर जिस किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 20/11/24 को 11:00 बजे तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निधारित समयावधि के बाद प्राप्त आपित्तयों पर कोई सुनवाई नहीं होगी।

न्यायालय कार्यालय दण्डाधिकारी
बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ.ग.

ना मणिपुर एक है, ना मणिपुर सेफ है...

मल्लिकार्जुन खरगे ने बीजेपी पर साधा निशाना

एजेंसी

नयी दिल्ली। मणिपुर में ताजा हिंसा भड़कने के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी चाहती है कि मणिपुर जलता रहे क्योंकि इससे उनकी घृणास्पद विभाजनकारी राजनीति का मकसद पूरा होता है। मणिपुर में अस्थिर हालात के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र में अपनी चुनावी रैलियां रद्द कर दी हैं। खरगे ने कहा कि राज्य के लोग कभी माफ नहीं करेंगे और न ही यह भूलेंगे कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया और उनकी परेशानियों को दूर करने के लिए कभी उनके राज्य में कदम नहीं रखा। कांग्रेस अध्यक्ष ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, नरेन्द्र मोदी जी आपकी डबल इंजन सरकारों के शासन में न तो मणिपुर एक है, न ही मणिपुर सुरक्षित है। उन्होंने कहा, मई 2023 से यह अकल्पनीय दर्द, विभाजन और हिंसा से जूझ रहा है, जिसने इसके लोगों के भविष्य को नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा, हम पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रहे हैं कि ऐसा लगता है कि भाजपा चाहती है कि मणिपुर जलता रहे क्योंकि इससे उसकी घृणित विभाजनकारी राजनीति का मकसद पूरा होता है। खरगे ने कहा कि सात नवंबर से अब तक कम से कम 17 लोगों की जान जा चुकी है, संघर्षग्रस्त क्षेत्रों की सूची में नए जिले जुड़े रहे हैं और आग सीमावर्ती पूर्वोत्तर राज्यों तक फैल रही है। कांग्रेस प्रमुख ने कहा, आपने मणिपुर को निराश किया है - जो एक खूबसूरत सीमावर्ती राज्य है। भले ही आप भविष्य में मणिपुर का दौरा करें, राज्य के लोग कभी माफ नहीं करेंगे या भूलेंगे नहीं कि आपने उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया और उनके कष्टों को दूर करने और समाधान खोजने के लिए कभी उनके राज्य में कदम नहीं रखा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी मणिपुर में हाल में हुई हिंसक झड़पों और जारी रक्तपात को बेहद परेशान करने वाला करार दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से राज्य का दौरा करने और क्षेत्र में शांति बहाल करने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कि हाल ही में हुई हिंसक झड़पें और जारी रक्तपात बेहद परेशान करने वाला है।

एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे, बटेंगे तो कटेंगे सभी कार्यकर्ताओं की एकजुटता व संकल्प का प्रतीक : मौर्य

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने राज्य में नौ विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनावों के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नारे बंटेंगे तो कटेंगे का समर्थन करते हुए रविवार को कहा कि एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे, बटेंगे तो कटेंगे सभी कार्यकताओं की एकजुटता और संकल्प का प्रतीक है। मौर्य ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में किसी भी मतभेद से इनकार करते हुए यह भी साफ किया कि पार्टी का नारा एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे ही है। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी समाजवादी पार्टी (सपा) के पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक (पीडीए) की गालियों का जवाब उसी तरह देना है, जैसे भगवान श्रीकृष्ण ने शिशुपाल को दिया था। मौर्य ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का स्पष्ट संदेश और उनके भाषणों से उभरे नारे- एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे, बटेंगे तो कटेंगे-हम सभी कार्यकताओं की एकजुटता और संकल्प का प्रतीक हैं। इसी पोस्ट में उन्होंने सफाई दी, भाजपा में न मतभेद था, न है, न होगा।

न्यायालय तहसीलदार, बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ.ग.)

//ईश्तहार//

सर्वसाधारण ग्राम बैकुण्ठपुर बाई सागरपारा राजस्व निरीक्षक बैकुण्ठपुर तहसील बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ.ग. तथा हितबद्ध पक्षकारों को सूचित किया जाता है आवेदक फिरोज अहमद पिता स्व० जहरुल हसन जाति मुसलमान आयु 57 वर्ष निवासी बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ.ग. ने आवेदन अन्तर्गत धारा 109,110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता के आधार पर आवेदन पेश किया है कि आवेदक के द्वारा संयुक्त रुप से दिनांक 09/02/1999 को पंजीकृत विकय पत्र के माध्यम से ग्राम बैकुण्ठपुर बाई सागरपारा प.ह.नं. 09 तहसील बैकुण्ठपुर स्थित भूमि खसरा नं. 47/7/ख रकबा 0.010 हे. भूमि को विक्रेता जुबैर अहमद पिता मकबुल अहमद जाति मुसलमान निवासी बैकुन्ठपुर बाई सागरपारा तहसील बैकुन्ठपुर जिला कोरिया छ.ग. वाले से संयुक्त रुप से कय किया गया है। केतागण एक ही परिवार के सदस्य हैं तथा आपस में रिस्ता में भाई एवं माता लगते है। केतागण 1 बदरुनिशा पति जहरुल हसन 2. अब्दुल सलाम पिता श्री जहरुल हसन व 3. अब्दुल रहमान पिता जहरुल हसन की मृत्यु हो चुका है इनका पृथक से मृत्यु प्रमाण पत्र आवेदन पत्र के साथ में संलग्न है। आवेदक कय करने के पश्चात् से उपरोक्त दर्शित भूमि पर काब्जि कास्त चले आ रहे हैं तथा आवेदक द्वारा उक्त दर्शित भूमि का अपना एवं सभी केतागण के नाम से नामांतरण किये जाने का आवेदन किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वे दिनांक 02/12/2024 तक स्वयं या अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभावक के द्वारा इस न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार विमर्श नही किया जावेगा।।

न्यायालय तहसीलदार
बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ.ग.

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा) कुनकुरी, जिला-जशपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./अ-2/2024-25

ग्राम गड़ाकटा, तहसील कुनकुरी
श्रीमती माधुरी सारंगी पति स्व. मधुसुदन चंद्र सारंगी,
जाति ब्राम्हण, साकिन गड़ाकटा, तहसील कुनकुरी, जिला-जशपुर (छ.ग.)
आवेदक
बनाम
अनावेदक
छ.ग. शासन
उद्घोषणाः-

एतद् द्वारा ग्राम गड़ाकटा, प.ह.नं. 24 रा.नि.मं. कुनकुरी, तहसील कुनकुरी, जिला-जशपुर (छ.ग.) की जनता को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका माधुरी सारंगी पति स्व. मधुसुदन चंद्र सारंगी, जाति ब्राम्हण, साकिन गड़ाकटा, तहसील कुनकुरी, जिला-जशपुर (छ.ग.) द्वारा ग्राम कुनकुरी स्थित अपने निजी भूमि स्वीमी हक की भूमि खसरा नं. 179/9 रकबा 0.141 हे. भूमि में से रकबा 0.061 हे. भूमि पर मकान निर्माण हेतु आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन पेश किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्तः भूमि के व्यपवर्तन के संबंध में जिस किसी को अपना दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रकरण में कोई दावा/आपत्ति हो तो वे सुनवाई दिनाँक 04/12/2024 तक इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। उक्त नियत अवधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनाँक 18/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
कुनकुरी, जिला-जशपुर (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) राजपुर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०)

क्रमांक /1481/अ०वि०अ०/2024

राजपुर, दिनांक 05/10/2024

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-/अ-2/2023-24
नगर पंचायत राजपुर

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम पंचायत राजपुर को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि संदर्भित पत्र द्वारा आवेदिका गंगा देवी पति श्री नेतलाल, जाति-गुप्ता, निवासी ग्राम-राजपुर, तहसील-राजपुर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) द्वारा अपने नाम की भूमि जो ग्राम राजपुर, रा०नि०मं० राजपुर, प०ह०नं0-13, स्थित भूमि स्वामित्व हक की भूमि खसरा नं0-233/20 रकबा 0.020 हे० भूमि को कृषि प्रयोजन से भिन्न आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन पुनर्निर्धारण हेतु आवेदन पत्र, मय बी-1, खसरा, नक्शा, विक्रय विलेख, शपथ पत्र, के साथ आवेदन पेश किया है, जो न्यायालय में व्यपवर्तन हेतु विचाराधीन है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति, या संस्था को उजर आपत्ति या दावा हो वह स्वयं या किसी मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के माध्यम में अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में दिनांक 20/11/2024 न्यायालयीन समय में पेश कर सकता है। नियत तिथि पश्चात् प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 05/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालयीन मुद्रा द्वारा जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
राजपुर
जिला बलरामपुर-रा.गंज (छ०ग०)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०/ब-121/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक प्रभात श्रीवास्तव आ० स्व० मनोहर प्रसाद श्रीवास्तव निवासी दरीपारा तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला दरीपारा नगर अम्बिकापुर स्थित प्लाट नम्बर 3943/2 रकबा 0.05 एकड भूमि से भू-तल पर रकबा 175.01 वर्गमीटर, प्रथम तल पर रकबा 193.51 वर्गमीटर पर एंव द्वितीय तल रकबा 193.51 वर्गमीटर पर आवासीय भवन निर्माण कराने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मेन्टेनन्स खसरा एवं प्रस्तावित ब्लूप्रिंट नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र भवन निर्माण शाखा में प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-29/11/2024 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 08/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-03 जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०- /ब-121/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राहुल गुप्ता आ० जे०पी० गुप्ता, निवासी मकान क्रमांक 161, जेना तालाब उत्तरी सीमा, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम मायापुर, तहसील अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 320/1 रकबा क्रमशः 0.024 हे0 भूमि को अनावेदक प्रेम कुशवाहा आ० भगवान कुशवाहा निवासी वार्ड क्रमांक 3, सोनी मोहल्ला गांधीनगर, अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के पास अंकन रूपऐ 6,00,000/- बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 5.12.2024 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः-18/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर-03

न्यायालय कार्यालय दण्डाधिकारी बैकुंण्ठपुर जिला कोरिया छ०ग०

क्रमांक/वाचक-2/तह./2022

बैकुंण्ठपुर दिनांक 8/11/2024

//ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्वसाधारण ग्रामवासी/नगरवासी ग्राम खरवत (महूवापारा) को आम जनता को ईश्तहार के जरिए सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्यामलाल पिता स्व० सुखदेव जाति रजवार निवासी खरवत (महूवापारा) तहसील बैकुंण्ठपुर जिला कोरिया के द्वारा स्व० उजियारोबाई निवासी खरवत (महूवापारा) मृत्यु दिनांक 08/06/2008 को होने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

आवेदक आवेदिका द्वारा प्रस्तुत उक्त मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने पर जिस किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनाक 18/11/2024 को 11:00 बजे तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निधार्रित समयावधि के बाद प्राप्त आपित्तयों पर कोई सुनवाई नहीं होगी। आज दिनांक 23/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से अंकित कर जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
बैकुंण्ठपुर जिला कोरिया छ०ग०

वेस्ट मैनेजमेंट को लेकर स्कूलों में चलाएं विशेष जागरूकता कार्यक्रम : जयवर्धन

0 लापरवाह शिक्षकों पर सख्त कार्यवाही के निर्देश 0 समय सीमा की हुई बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सोमवार को यहां कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में कलेक्टर एस जयवर्धन ने जिले में संचालित सभी योजनाओं की विभागवार जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, संयुक्त कलेक्टर नरेंद्र पैकरा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती शिवानी जायसवाल, सर्व एसडीएम , तहसीलदार सहित अन्य संबंधित जिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री जयवर्धन ने जिले में धान खरीदी की स्थिति का जायजा लिया । उन्होंने खसरा सत्यापन , टोकन जारी करने, बारदाना कलेक्शन, सहकारी समिति की गतिविधि और मिलर संबंधी जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत निर्माण कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। इसके सफल क्रियान्वयन के लिए उन्होंने

नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने इस योजना अंतर्गत सभी अधिकारियों को समय सीमा में निर्माण कार्य पूरे करवाने के निर्देश दिए। आवास निर्माण में शीघ्रता लाने के लिए उन्होंने आवास मित्रों की भर्ती शीघ्र करवाने के निर्देश दिए। पीएम आवास योजना के हितग्राहियों के आवासों का सभी स्तरों पर शत प्रतिशत जीरो टैगिंग करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने राजस्व प्रकरणों का जायजा लेते हुए फौती नामांतरण के प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष शिविर आयोजन करने के दिए निर्देश। इस सम्बन्ध में लापरवाही करने वाले पटवारियों पर सख्त से सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत समूह द्वारा किए जा रहे कार्य, एस एल आर एम सेंटर में सेग्रीगेशन की स्थिति के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने जिले में सभी स्कूलों में वेस्ट मैनेजमेंट को लेकर विशेष जागरूकता कार्यक्रम चलाने के निर्देश, जिला शिक्षा अधिकारी को दिए।

शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने पीएमश्री स्कूल के सम्बन्ध में जानकारी ली और व्यवस्था बेहतर करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री स्कूल जतन , न्योता भोजन और प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना के प्रगति की समीक्षा की। स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था की जानकारी लेते हुए लापरवाह शिक्षकों पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूलों में जाति, निवास, आय प्रमाणपत्र बनवाने के स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। कृषि विभाग अंतर्गत उन्होंने बीज वितरण एवं बीज प्रोडक्शन योजना की जानकारी ली। उन्होंने केसीसी और हर गांव में सहकारी समिति बनाने की योजना के सम्बन्ध में चर्चा की। इसके अलावा उन्होंने पीएम स्वनिधि, सॉइल हेल्थ कार्ड, राशन कार्ड और ई केवाईसी, जल जीवन मिशन, जल शक्ति अभियान, सुरक्षित मातृत्व अभियान, चिरायु योजना, राशन कार्ड निर्माण की स्थिति, विश्वकर्मा योजना का जायजा लिया। उन्होंने आंगनबाड़ी की स्थिति, बच्चों में कुपोषण की स्थिति और महतारी वंदन योजना की जानकारी ली। उन्होंने विकलांगों का यू डी आई डी कार्ड बनाने के साथ हितग्राहियों का आधार कार्ड और आयुष्मान कार्ड बनवाने एवं अद्यतन करवाने के निर्देश दिए।साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों उन्होंने नि: क्षय मित्र बनवाने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने लंबित पेंशन प्रकरणों को शीघ्र निपटाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश किए।

धान खरीदी महापर्व में किसानों की मेहनत को मिल रहा समर्थन मूल्य का सम्मान

0 22 नवम्बर तक के लिए जारी हो चुके है 618 टोकन 0 3532.60 मीट्रिक टन धान खरीदी का अनुमान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी महापर्व पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को पूरा करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप किसानों की मेहनत का फल अब उनके हाथों तक पहुंचने लगा है। धान खरीदी 31 जनवरी तक चलेगी। कलेक्टर एस.जयवर्धन के निर्देश पर किसानों की सुविधा के लिए धान खरीदी केंद्रों में सभी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। जिले में धान खरीदी के पहले दिन ही किसानों ने धान खरीदी केंद्र पहुंचकर अपने धान को तौलकर समर्थन मूल्य में विक्रय किया। शासन के मंशानुरूप किसानों को पहले से ही टोकन जारी कर दिए गए, जिससे किसान आसानी से अपना धान का विक्रय कर सके।

पहले दिन के लिए 11 धान उपार्जन केंद्र में कृषक बंधुओं के लिए 28 टोकन जारी हुए थे। जिसमें 26 ऑनलाइन व 02 ऑफलाइन मोड से जारी हुए थे। प्रथम दिवस 14 नवंबर के दिन इन टोकनों के माध्यम से 03 धान उपार्जन केंद्र द्वारा 40.72 क्विंटल धान खरीदा गया। खाद्य अधिकारी संदीप भगत द्वारा प्राप्त अंतिम जानकारी के अनुसार 22 नवंबर तक के लिए 618 टोकन कृषक बंधुओं के लिए जारी किये जा चुके हैं। जिसके विरूद्ध धान उपार्जन केंद्रो में 3532.60 मीट्रिक टन धान खरीदे जाने की संभावना है। इस बार प्रदेश सरकार द्वारा 3,1 सौ रुपये प्रति क्विंटल की दर पर प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी की जा रही है, जो किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक सहारा बनेगा। जिला प्रशासन ने धान खरीदी केंद्रों पर सुचारू और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। प्रत्येक केंद्र पर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, ताकि खरीदी प्रक्रिया बिना किसी रुकावट के सुचारू रूप से संपन्न हो सके। जिले के 54 केंद्रों को किसानों की सुविधा के अनुसार पूरी तरह तैयार किया गया है। हर केंद्र पर ऑनलाइन खरीदी के लिए कंप्यूटर, प्रिंटर, इलेक्ट्रॉनिक तौल यंत्र और बायोमैट्रिक उपकरण लगाए गए हैं। इन उपकरणों के संचालन के लिए कंप्यूटर ऑपरेटरों और अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। केंद्रों पर छाया, पेयजल, शौचालय और बैठने की उचित व्यवस्था की गई है, ताकि किसानों को धान बेचते समय किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। किसानों के लिए केंद्रों पर बैनर और पोस्टर के माध्यम से समर्थन मूल्य की जानकारी दी गई है। खरीदे गए धान के भंडारण के लिए डनेज और तारपोलिन की व्यवस्था की गई है। सुरक्षा और भंडारण व्यय के लिए समितियों को अग्रिम राशि प्रदान की गई है। केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है, जिससे केंद्रों पर किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोका जा सके। इसके अतिरिक्त, अवैध धान की बिक्री को रोकने के लिए पुलिस और राजस्व विभाग की टीमों को भी सक्रिय रखा गया है, जो सीमा क्षेत्रों पर निगरानी कर रहे हैं। प्रशासन ने प्रत्येक केंद्र पर एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है, जो किसानों की समस्याओं को सुनने और हल करने का कार्य करेंगे। ये अधिकारी धान खरीदी प्रक्रिया के दौरान केंद्रों की समस्त व्यवस्थाओं की देखरेख करेंगे और किसी भी आपातकालीन स्थिति में तुरंत निराकरण करेंगे।

विधायक ने लहपटरा और नि हा धान उपार्जन केंद्र में धान खरीदी का शुभारंभ किया

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

लखनपुर। विधायक राजेश अग्रवाल अंबिकापुर विधानसभा क्षेत्र के लखनपुर विकासखंड के ग्राम लहपटरा और नि हा धान उपार्जन केंद्र में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के उपस्थिति में तौल मशीन की पूजा अर्चना कर धान खरीदी का शुभारंभ किया। धान खरीदी केंद्र में धान बेचने आए किसानों को विधायक राजेश अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने फूल माला पहनकर स्वागत करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। विधायक ने उपार्जन केंद्र प्रभारियों को निर्देश देते हुए कहा कि धान उपार्जन केंद्र में धान बिक्री करने आने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की समस्याओं का सामना न करना पड़े, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। इस दौरान उनके साथ भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश साहू, राजेंद्र जायसवाल, सत्यनारायण साहू, भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता उपार्जन केंद्र प्रभारी सहित किसान मौजूद रहे।

सेजेस की संभाग स्तरीय बैठक में लिए गए अहम निर्णय

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। सेजेसे की सरगुजा संभाग की प्रथम संभाग स्तरीय बैठक राजमोहिनी देवी सभागार, में प्रदेश अध्यक्ष दुर्योधन यादव की अध्यक्षता में हुई।

इस दौरान संघ के संरक्षक सदस्य तापस रॉय, प्रदेश महासचिव उनीत साहू, संयुक्त सचिव कंकन हलदार, कोषाध्यक्ष अविनाश मिश्र, विधिक सलाहकार आकर्ष शर्मा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मनीष शर्मा, कौशल कुमार पटेल, सरगुजा संभाग के उपाध्यक्ष अमरेंद्र बरियार, सरगुजा जिलाध्यक्ष सुरेश जायसवाल, जशपुर जिलाध्यक्ष दीपक कुमार यादव, बलरामपुर जिलाध्यक्ष अंजना, सूरजपुर जिलाध्यक्ष रविकुमार पांडेय सहित सरगुजा संभाग और जिला के कार्यकारिणी सदस्य एवं विभिन्न सेजेस विद्यालय से आए सदस्यों की उपस्थिति रही। बैठक में संघ के विजन और मिशन नियमितीकरण, सशक्त संगठन सदस्यता महाभियान को सफल बनाने सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई और अहम निर्णय लिया गया।

मौजूदगी का एहसास व असामाजिक तत्वों पर भय उत्पन्न करने पुलिस कर रही विजुअल पेट्रोलिंग, एसएसपी प्रशांत कुमार की मुहिम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में अब पुलिस को विजुअल बनाने के लिए विजुअल पेट्रोलिंग की जा रही है, जिसके माध्यम से पुलिस अब लोगों को दिख रही है। अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए अब पुलिस ने विजुअल पेट्रोलिंग शुरू की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर ने जिले में पुलिस को विजुअल बनाने तथा लोगों का पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाने के लिए विजुअल पेट्रोलिंग करने आदेश दिया है, जिसके परिपालन में जिले के थाना प्रभारी अपने दल बल के साथ थाना क्षेत्रों में पैदल पेट्रोलिंग कर जनता के बीच जाकर समस्या को सुन और समझाकर निराकरण के उपाय कर रही है।

विजुअल पेट्रोलिंग को और पुख्ता करने के लिए सीएसपी और एसडीओपी को भी नियमित रूप से विजुअल पेट्रोलिंग करने के निर्देश दिए गए है। एसएसपी श्री ठाकुर ने बताया कि विजुअल पुलिसिंग

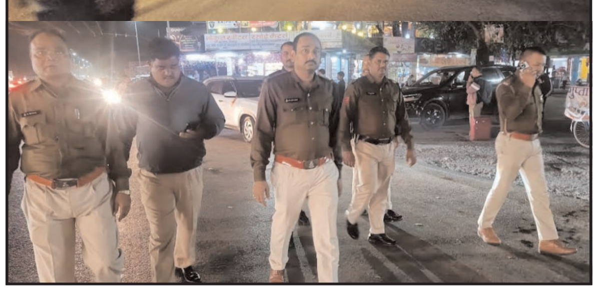

करने का मकसद अपराधों पर नियंत्रण असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई तथा जनता को पुलिस की मौजूदगी का एहसास दिलाना। साथ ही असामाजिक तत्वों पर पुलिस का भय उत्पन्न करना है। विजुअल पुलिसिंग के अंतर्गत जिले के थानों के थाना प्रभारी अपने समयानुसार अपने अपने क्षेत्रों में विजुअल पेट्रोलिंग कर रहे है। इस दौरान पुलिस की टीम अपने अपने थाना क्षेत्रों के मुख्य-मुख्य स्थानों में कम से कम 10 से 15 मिनट तक खड़े होकर लोगों से भी मिलकर चर्चा कर रही है। पुलिस के ऐसा करने से अब लोगों में पुलिस के प्रति भी विश्वास बढ़ रहा है साथ ही पुलिस का सूचना तंत्र भी मजबूत हो रहा है।

होटल लॉज ढाबों की हो रही जांच

जिले के सभी थाना के प्रभारी शहर में जिस समय में ज्यादा भीड़ भाड़ होती है। उस समय में विजुअल पेट्रोलिंग कर रही है। वहीं इस पेट्रोलिंग के साथ साथ पुलिस की टीम होटल ढाबों, लॉज की चेकिंग करने के साथ शहर में स्थित जेवर दुकानों पर भी अपनी नजर रख रही है। साथ ही पुलिस की टीम शहर के मुख्य मार्गो सहित सकरी गली में भी पंहुच कर विजुअल पेट्रोलिंग कर रही है ताकि लोगों के सामने पुलिस दिखाई देती रहे।

पश्चिम बंगाल में खप रहे साप्ताहिक बाजार से पॉकेटमारी के मोबाइल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। विभिन्न स्थानों पर लगने वाले साप्ताहिक बाजार से लगातार पॉकेट मारी की घटनाएं सामने आ रही हैं। पॉकेट मारी की घटना को अंजाम देने दूसरे क्षेत्रों से महिलाएं, पुरुष व बच्चे सभी अलग अलग समूह में बाजार में प्रवेश कर लोगों के

जयनगर पुलिस ने साप्ताहिक बाजार में संदिग्धों से की पूछताछ

पैकेट में हाथ फेर महंगे मोबाइल सहित नगद रकम पार कर आर्थिक नुकसान पहुंचा रहे हैं।कई घटनाओं में तो पॉकेट मारी के शिकार लोग थाने नहीं पहुंचते, उन्हें मालूम है कि उनकी शिकायत लिखी नहीं जाएगी और पुलिस उल्टे उन्हें ही समझाइश देगी।बताया जा रहा है कि पॉकेट मारी की घटना को अंजाम देने बैकुंठपुर व पटना थाना क्षेत्र के बसोर मोहल्ले सहित सीतापुर व पत्थलगांव के नट गिरोह, गिरी गोसाई मुहल्ले के लोग ऐसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। एक साप्ताहिक बाजार में चोर गिरोह आठ से दस मोबाइल पर हाथ फेर उसे बिलासपुर व रायपुर के कारोबारी को बेच रहे हैं। बाद में उक्त मोबाइल कलकत्ता व बंगला देश की सीमा में पहुंच रहे हैं और

इन्हीं मोबाइल के जरिए फर्जी पते की सीम लगाकर देशभर ठगी व धोखाधड़ी की जा रही है। अभी हाल ही में गत दिनों जुलाई माह में ग्राम पंचायत कमलपुर के सेवानिवृत्त शिक्षक रमेश विश्वास का सिलफिली साप्ताहिक बाजार से चोरों ने पॉकेट मारी कर उनका मोबाइल चुरा लिया और फिर मोबाइल में यूपीआई आईडी से साढ़े पांच लाख रुपए निकाल लिए। अब उक्त मोबाइल का लोकेशन पश्चिम बंगाल आने के बाद जयनगर पुलिस पश्चिम बंगाल भी चोर को ढूंढने गई लेकिन उसे फर्जी आईडी से मोबाइल संचालन होने के बाद बैरंग वापस लौटना पड़ा। वर्तमान में जितने भी मोबाइल बाजार से चोरी हो रहे हैं, उनमें अधिकांश मोबाइल का लोकेशन पश्चिम बंगाल आने और उन मोबाइल के फर्जी पते की आईडी से संचालित होने की बात सामने आ रही है। इसी तारतम्य में सोमवार 18 नवंबर को जयनगर टीआई नरेंद्र कुमार सिंह दलबल के साथ जयनगर साप्ताहिक बाजार का निरीक्षण कर साप्ताहिक बाजार में संदिग्ध दिखने वाले लोगों से पूछताछ किए हैं।

लक्ष्मणपुर में लगा रासेयो का सात दिवसीय शिविर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। रासेयो राष्ट्र की युवाशक्ति के व्यक्तित्व विकास हेतु युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित एक सक्रिय कार्यक्रम है। प्रेमनगर बालक उ. मा. विद्यालय में संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय

स्वच्छता के साथ विभिन्न गतिविधियां की गई आयोजित

अंबिकापुर द्वारा संचालित इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम लक्ष्मणपुर में 11 से 17 नवम्बर तक आयोजित था। इसके समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रामबिलास साहू विकास खंड शिक्षा अधिकारी प्रेमनगर, अध्यक्षता सरपंच ज्योत सिंग, विशिष्ट अतिथि बीपीओ रमेश कुमार जायसवाल, रामनारायण यादव महामंत्री बीजेपी मंडल प्रेमनगर, शिवनंदन सिंह सरपंच प्रतिनिधि व जिला महामंत्री, पुष्पेंद्र सिंह सरपंच संघ अध्यक्ष, अशोक देवांगन ब्लॉक कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष, विवेक पाण्डेय, प्राचार्य धनदेव सिंह, व्याख्याता कृष्ण कुमार ध्रुव, दयाल सिन्हा रहे। बता दें कि विद्यालय में छात्रों के लिए शिक्षा जितना जरूरी है उतना ही उनके सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा एनएसएस है जिसमें छात्र जुड़कर देश सेवा कर सकता है। इसी कड़ी में बा. उ. मा. विद्यालय प्रेमनगर ने एनएसएस का सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम पंचायत लक्ष्मणपुर में आयोजित किया गया था जहां एनएसएस के छात्रों से घर से दूर रहकर अभाव में सात दिवसीय शिविर में जीवन से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण जीवन

शैलियों को सीखा। राष्ट्रीय सेवा योजना का शिविर समाज के बीच रहकर समस्याओं को जानने और उनको कुछ करने की प्रेरणा देता है। शिविर में प्राप्त अनुभवों तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों को समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में प्रयोग में लाएं। तभी राष्ट्रीय सेवा योजना की सार्थकता सिद्ध होगी। एनएसएस के लक्ष्मणपुर में आयोजित कार्यक्रम के समापन में बतौर मुख्यातिथि उपस्थित प्रेमनगर बीईओ ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों का राष्ट्रनिर्माण में महत्वपूर्ण योगदान रहता है। उन्होंने स्वयंसेवियों से आह्वान किया कि वह शिविर के दौरान सीखी गई जीवनोपयोगी बातों को यथार्थ जीवन में उतार कर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं। आगे श्री साहू ने कहा एनएसएस का उद्देश्य सामाजिक सेवा है, यह ऐसी संस्था है जिसमें लोगों की सहायताएं देखने को मिलती है। एनएसएस के स्वयंसेवी ने ग्राम पंचायत में स्वच्छता के प्रति लोगो को जागरूक किये, इनसे लोग स्वच्छता से जुड़ेंगे व देश को स्वच्छ बनाएंगे। इस सात दिवसीय विशेष शिविर में 50 स्वयंसेवी ने भाग लेकर ग्राम पंचायत लक्ष्मणपुर के देवालय, कोलपहरी, मिडिल व हाई स्कूल के आसपास व बलीपारा की साफ सफाई, बौद्धिक चर्चा में एग्रीकल्चर विभाग के अतिथि के द्वारा बच्चों को अनेक जानकारी दी, स्वास्थ्य से संबंधित शिविर लगाकर स्वयंसेवी को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रहे ग्राम पंचायत लक्ष्मणपुर सरपंच ज्योत सिंह ने कहा एनएसएस के स्वयंसेवी ने ग्राम पंचायत में आकर सार्वजनिक चौक चौराहों की साफ सफाई करके लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। निश्चित ही स्वयंसेवी के सराहनीय कार्यों से ग्रामवासी प्रोत्साहित हुए हैं और आगे स्वच्छता के प्रति जागरूक रहेंगे। रामनारायण यादव महामंत्री ने कहा राष्ट्रीय सेवा योजना मतलब राष्ट्र की संपत्ति की सेवा करना है। राष्ट्र के विकास के लिए जो बाधक है उसे दूर करना। शिवनंदन सिंह ने स्वयंसेवियों से कहा आप घर जाकर समाज को समझाएंगे की स्वच्छता स्वस्थ समाज के लिए कितनी जरूरत है। हम शिक्षा ग्रहण करेंगे तब हम अपना विकास करेंगे। शिविर में शामिल सभी स्वयंसेवियों को मुख्य अतिथि के हाथों सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान की गई। सरपंच जोत सिंह ने सभी स्वयंसेवियों को उनके उत्कृष्ठ कार्य के लिए पुरुस्कार प्रदान किया। इस दौरान बालक उ. मा. विद्यालय प्राचार्य विपिन कुमार पाण्डेय, एनएसएस कार्यक्रम प्रभारी पूरन सिंह, उपसरपंच प्रतिनिधि बिहारीलाल, जयकरण, संजय कुमार यादव पूर्व एसएमडीसी अध्यक्ष, पंच शांति राउत, रुकमणी यादव, सुंदर सिंह, फुलसाय, पुष्पराज पाण्डेय सीएसी, व्याख्याता ज्योति साव, रमेश साहू, विनोद रावत, खेमचंद जायसवाल, सुश्री बिंदिया साहू, कन्नौजे सर, नर्मदा चौहान, एनएसएस के स्वयंसेवी सहित ग्रामवासी मौजूद रहे।

एनएसएस इकाई रघुनाथपुर द्वारा सायरराई में विशेष शिविर का आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। ग्राम पंचायत रघुनाथपुर के आश्रित ग्राम सायरराई में शासकीय उ'चतर माध्यमिक विद्यालय रघुनाथपुर की एनएसएस इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर स्थल आंगनबाड़ी केंद्र सायरराई प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम के मु य अतिथि अध्यक्ष एसएमडीसी, एनएसएस सलाहकार समिति एवं भाजपा मंडल के महेंद्र सिंह, कार्यक्रम अध्यक्ष जनपद सदस्य सतीश जायसवाल ने दीप प्र'वलित करके कार्यक्रम का श्रीगणेश किया। अतिथियों के स्वागत पश्चात शिविरार्थियों ने लक्ष्यगान गाया। कार्यक्रम अधिकारी संजीव चैबे ने सात दिवसीय विशेष शिविर के अंतर्गत संपादित किए जाने वाले गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने बताया शिविर में कक्षा 11वीं के 25 छात्र, 24 छात्रा, 02 व्या याता एनएसएस प्रभारी के अलावा कुल 5× सदस्य शामिल हुए हैं। शिविर का थीम 'मेरा युवा भारत के लिए युवा एवं डिजिटल साक्षरता के लिए युवा' है। साथ ही स्व'छता, मद्यपान निषेध, पर्यावरण संरक्षण जैसे जागरूकता एवं परियोजना कार्यक्रम का संपादन किया जाएगा। सभी शिविरार्थी प्रात: 08 बजे शिविर स्थल पहुंचकर वहां की साफ-सफाई किए और रहने के लिए अनुकूल वातावरण का निर्माण किया। शिविर के सफल संचालन के लिए शिविरार्थियों को चार दलों बिरसा मुंडा, वीर नारायण सिंह, राजमोहिनी एवं दुर्गावती में विभाजित करके शिविर प्रभारी, सांस्कृतिक, योग व्यायाम, क्रीड़ा सहित अन्य प्रभारी नियुक्त किए गए और जि मेदारी का विभाजन किया गया। शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए मु य अतिथि ने लगातार 10 वर्षों से विद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा आसपास के ग्रामों में एनएसएस गतिविधि के माध्यम से किए जा रहे जागरुकता एवं अन्य कार्यों की सराहना की और शिविरार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम अध्यक्ष ने कहा कि शिविर के दौरान विद्यार्थी सात दिनों तक रहकर जनसंपर्क के माध्यम से सामुदायिक कर्तव्यों को समझते हुए अपना व्यक्तित्व विकास करेंगे। आभार प्रदर्शन एनएसएस प्रभारी सुशांत विजय ने किया।

सरगुजा फ्रंटलाइन

साइबर ठग वाट्सएप के जरिए एपीके फाइल भेजकर निजी सुरक्षा में लगा रहे सेंध

पुलिस अधीक्षक ने किया आगाह-अनजान फाइलों को डाउनलोड करने से बचें

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। निजी सुरक्षा में सेंध लगाने साइबर ठग वाट्सएप में एपीके फाइल भेजने में लगे हैं, इससे बचाव के लिए पुलिस अधीक्षक सरगुजा ने आम नागरिकों को सतर्क किया है। उन्होंने बताया है कि साइबर अपराधी एपीके फाइल के जरिए मोबाइल हैक करके एक्सेस प्राप्त करते हैं और कई साइबर घटनाओं अंजाम देते हैं। ऐसी घटनाओं पर नियंत्रण के लिए अपील जारी करते हुए पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि डिजिटल अरेस्ट जैसी फर्जी प्रक्रिया के जरिए साइबर ठग आम नागरिकों को निशाना बना रहे हैं। इससे बचने के लिए अनजान फाइलों को डाउनलोड करने से बचना चाहिए। किसी संदिग्ध गतिविधि की आशंका होने पर तत्काल नजदीकी थाना या चैकी में शिकायत दर्ज कराएं। ऑनलाइन ठगी के मामलों में तत्काल शिकायत दर्ज कराने के लिए हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सम्पर्क करने कहा गया है।

साइबर ठगी के नए-नए तरीको से जागरूक करने और ठगी की घटनाओं से बचाव के लिए पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने अपील जारी किया है। उन्होंने कहा है कि ऑनलाइन ठगी, साइबर फ्रॉड जैसी घटनाओं के बारे में अलर्ट करने के बावजूद लोग ठगी के शिकार हो रहे हैं। साइबर ठग अब वाट्सएप के जरिए अनजान एपीके फाइल भेजकर निजी सुरक्षा में सेंध लगा रहे हैं और एपीके फाइल डाउनलोड करने वाले उपयोगकर्ता का मोबाइल हैक करने के बाद एक्सेस प्राप्त करके साइबर ठगी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। डिजिटल अरेस्ट जैसी फर्जी प्रक्रियाओं के जरिए साइबर ठग नागरिकों को अपने जाल के फंसाकर ठगी की वरदात को अंजाम दे रहे हैं। साइबर ठगी के नए तरीकों से बचाव के लिए सुरक्षात्मक उपायों को पुलिस अधीक्षक ने जनसामान्य से साझा किया गया हैं।

डिजिटल अरेस्ट प्रक्रिया के दौरान की गतिविधि

साइबर ठगों द्वारा पीड़ित को वीडियो कॉल या व्हाट्सअप कॉल करके कुछ खास प्रक्रिया से गुजरने के लिए बाध्य किया जाता है। वीडियो कॉल के दौरान आसपास के जगह को पुलिस स्टेशन या किसी अन्य एजेंसी के जैसा मिलता-जुलता बनाकर लोगों के मन मे डर पैदा करते हैं। घटनाओं की पुष्टि के लिए कई तरह की जानकारियां भी मांगी जाती है, ऐसे फर्जी कॉल करने वाले खुद को पुलिस, नॉरकोटिक्स, साइबर सेल, इन्कमटैक्स या सीबीआई अधिकारियों की तरह पेश करते हैं। वे बकायदा किसी ऑफिस से यूनिफॉर्म में कॉल करते हैं, इसके बाद पीड़ित पर अनर्गल आरोप लगाकर कानूनी कार्रवाई करने की धमकी दी जाती है और दावा किया जाता है कि पूछताछ होने के दौरान उसे वीडियो कॉल पर ही रहना होगा। वह किसी और से बातचीत नहीं कर सकता है, जब तक कि प्रक्रिया पूर्ण ना हो जाए। इसी दौरान मामले से बचाने के ऐवज में बड़ी रकम की मांग करते हुए ठगी कर ली जाती हैं।

एपीके फाइल की लिंक के जरिए साइबर फ्रॉड

पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने बताया है कि हालिया दिनों में साइबर ठगों द्वारा व्हाट्सएप पर बैंक या आधार अपडेट, निमंत्रण अथवा किसी योजना के नाम पर एपीके फाइल का लिंक भेजा जा रहा है। एपीके फाइल को डाउनलोड करने की लिंक पर क्लिक करते ही मोबाइल फोन हैक हो जाता है, जिससे ठग फोन के कैमरा, माइक्रोफोन, जीपीएस, मैसेज और ओटीपी तक पहुंच जाते हैं। साइबर ठगों द्वारा ऐसे फाइल, ऐप वाट्सएप किसी अज्ञात नंबर अथवा ग्रुप में भेजे जा रहे हैं। ऐसे फाइल को डाउनलोड करने पर वे संबंधित मोबाइल को हैक करके पूरा एक्सेस पा जाते हैं। इसके बाद मोबाइलधारक की निजी जानकारियों में बैंक डिटेल्स, ओटीपी इन्हें आसानी से मिल जाता है। उन्होंने बताया है कि सबसे पहले ठग एपीके फाइल लिंक के जरिए व्हाट्सएप को हैक करते हैं। व्हाट्सएप हैक हो जाने पर, मोबाइलधारक से जुड़े सभी ग्रुप्स में यह फाइल भेज दी जाती है, जिससे एक चेन बनती है और ज्यादा से ज्यादा लोगों के ने आसानी से निशाना बना लेते हैं।

साइबर ठगी का नया तरीका डिजिटल अरेस्ट

पुलिस अधीक्षक ने बताया है कि साइबर ठगों द्वारा डिजिटल माध्यम से किसी व्यक्ति को किसी आपराधिक गतिविधि में शामिल रहने अथवा पार्सल में गलत सामान होने सहित अन्य भ्रामक जानकारी देकर गिरफ्तार करने का झूठा दावा किया जाता है। डिजिटल अरेस्ट की फर्जी घटनाओं के जरिए ठगों का मकसद लोगों के मन में अचानक डर की स्थिति उत्पन्न करना होता है, इसके बाद पीड़ित व्यक्ति को यह यकीन दिलाया जाता है कि वह अपराधिक गतिविधियों में शामिल है और पीड़ित से भारी भरकम रकम की मांग की जाती है। साइबर ठगों द्वारा इस पूरी प्रक्रिया को बहुत ही नियोजित तरीके से अपनाया जाता है, जिससे वारदात होने के बाद पीड़ित व्यक्ति कभी अपराध की रिपोर्ट ना कर सके।

मिले ऐसा लिंक तो बरते सावधानी

पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि यदि व्हाट्सएप या किसी अनजान ग्रुप में बैंक या आधार अपडेट के नाम पर कोई एपीके फाइल आती है, तो उसे भूलकर भी डाउनलोड न करें। ऐसा करने पर साइबर ठग आपकी सारी निजी जानकारी चुरा सकते हैं। उन्होंने कहा है इससे बचने के लिए अपने फोन का ऑटोमैटिक डाउनलोड का ऑप्शन बंद कर दें। अज्ञात लिंक न खोलें, किसी अनजान लिंक को खोलने से बचें। अपने व्हाट्सएप को हमेशा टू-स्टेप वेरिफिकेशन पर रखें। यदि गलती से डाउनलोड हो जाए, तो तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें।

फर्जी ठगी की घटनाओं से ऐसे बचें

* अनजान व्यक्तियों के कॉल ना उठाएं, अज्ञात नंबर से आए व्हाट्सअप कॉल अथवा वीडियो कॉल को स्वीकार ना करें।
* किसी भी परिस्थिति में डरें नहीं, डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई कानूनी प्रक्रिया नहीं होती है।
* पुलिस या अन्य एजेंसी किसी भी व्यक्ति, आरोपी से व्हाट्सप्प कॉल, वीडियो कॉल के जरिए संपर्क कर कार्रवाई नहीं करती।
* ऐसी घटनाओं की सूचना तत्काल अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन या हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दें।

सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ितों की स्मृति में मनाया विश्व यादगार दिवस

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। वर्तमान में हमारी लाइफ तेज हो गई है, फलस्वरूप विचारों की गति भी तेज हो गई है। सड़क दुर्घटनाओं में यह भी एक मुख्य कारण है। सड़क सुरक्षा के लिए स्थिर एवं संतुलित मन की बहुत आवश्कता है। जहां शरीर के साथ मन के विचारों का संतुलन होगा, वहां दुर्घटनाओं की संभावनाएं कम हो जाएंगी, इसके लिए आध्यात्मिकता की आवश्यकता है। आध्यात्मिकता सड़क दुर्घटनाओं से सुरक्षा के साथ एक सुरक्षित जीवन यात्रा का मार्ग प्रशस्त करती है। उक्त विचार ब्रह्माकुमारीज संस्था की प्रभारी ब्रह्माकुमारी विद्या ने नव विश्व भवन चोपड़ापारा में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईशवरीय विश्व विद्यालय एवं यातायात प्रभाग द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ितों की स्मृति में विश्व यादगार दिवस पर व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि हमारा जीवन एक अमूल्य उपहार है, इसे सुरक्षित रखने के लिए हर पल जागृत रहने की आवश्यकता है। ट्रैफिक जाम के समय अधीर न होकर हम अपने समय का सही सदुपयोग करें। जब घर से निकलें तो कुछ सेकेंड परमात्मा को याद करें एवं सुरक्षित यात्रा कर घर लौटने के बाद परमात्मा का धन्यवाद अवश्य करें, जिससे हमारा मन सकारात्मक रहेगा। हम खुद भी सुरक्षित रहें और औरों को भी सुरक्षित रखें। इसके पश्चात विद्या उन्होंने कमेन्ट्री के माध्यम से मेडिटेशन कराया। यातायात पुलिस उप निरीक्षक अभय तिवारी ने यातायात के नियमों व भारत में होने वाली दुर्घटनाओं के आंकड़े बताते हुए कहा कि हर वर्ष लगभग 12 लाख लोगों की मौत सड़क दुर्घटना से होती है। उन्होंने बताया दुर्घटनाओं में छत्तीसगढ़ का 5वां स्थान एवं अंबिकापुर 7वें स्थान पर है। उन्होंने आगे बताया सही तरीके से सड़क का डिजाइन नहीं होने के कारण भी दुर्घटनाएं होती हैं। सामाजिक कार्यकर्ता मंगल पाण्डेय ने कहा कि यहां हर कोई जीवन रूपी यात्रा कर रहा है। इस जीवन की यात्रा में वाहन की भी आवश्यकता होती है, जिसके नियमों की अधिकतर हम अनदेखी करते हैं, इसका सामना पूरे परिवार को करना पड़ता है। बच्चे जो इस नियम की अवहेलना करते हैं जिसके जिम्मेदार हम हैं। अनिल कुमार मिश्रा ने इंश्योरेंस के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि लोग थर्ड पार्टी को बचाने के लिए इंश्योरेंस कराते हैं। माता-पिता अपने बच्चों को बिना उम्र के ही उन्हें गाड़ी देते हैं जो सही नहीं है। यातायात के दौरान नियमों का पालन करना सभी को जरूरी है। डॉ. आकाश सिंह ने एक्सीडेन्ट के दौरान व्यक्ति के हालत से अवगत कराया और कहा कि सिर पर चोट लगे तो सबसे नजदीक अस्पताल में एक घंटे के अन्दर ले जाएं। इस दौरान सभी मृतात्माओं को मोमबत्ती जलाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

कुएं में जूता धोने गए युवक की डूबने से मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मणिपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बकिरमा निवासी एक युवक की कुएं में डूबने से मौत हो गई। मृतक के भाई सुंदर राम ने पुलिस को बताया कि उसका छोटा भाई राम प्रताप पिता स्व. जगनारायण 40 वर्ष, 17 नवम्बर की शाम को लगभग 4.30 बजे स्वर्गीय प्रीतम सिंह के कुआं में जूता-चप्पल धोने के लिए जाने की बात कहकर घर से निकला था। आधा घंटे से अधिक बीतने के बाद भी जब वह वापस नहीं लौटा तो स्वजन मौके पर पहुंचे। कुआं के पास जूता पड़ा था लेकिन राम प्रताप वहां नहीं था। काफी खोजखबर लेने के बाद भी जब उसका पता नहीं चला तो गांव का ही भगत सिंह कुएं में डुबकी लगाकर युवक को बाहर निकाला, जो अचेत अवस्था में था और बातचीत नहीं कर रहा था। स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है।

नशा से दूर रहें, साइबर अपराध से बचाव के प्रति रहें जागरूक

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। उमंग महिला एवं बाल उत्थान समिति ने शहर के यूनिक कान्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल में कार्यक्रम आयोजित कर छात्रों को नशा व साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया। बताया गया कि वर्तमान में सबसे बड़ी सामाजिक कुरीति नशा व साइबर क्राइम है, जो विशेष रूप से किशोरों एवं युवा पीढ़ी को अपना शिकार बनाती है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में मंगल पाण्डेय वरिष्ठ समाजसेवी संयोजक नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान सरगुजा, सह निर्देशक चिराग सोशल वेलफेयर सोसायटी अम्बिकापुर व वरिष्ठ समाजसेवी, साहित्यकार, कवि संतोष दास सरल उपस्थित रहे।

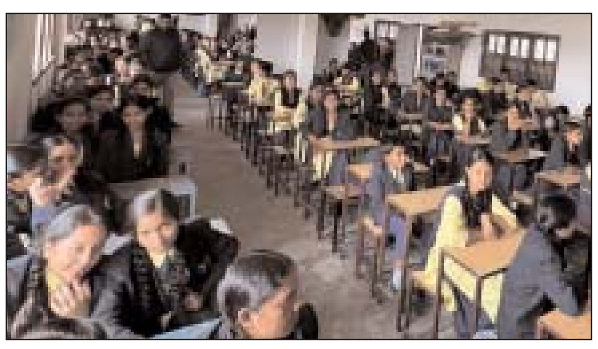

मंगल पाण्डेय संयोजक नवा बिहान ने अपने वक्तव्य के माध्यम से किशोर छात्र-छात्राओं को नशे से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि नशा चाहे जैसा हो वह हर रूप में हानिकारक है। साहित्यकार संतोष दास ने छात्र-छात्राओं को नशे से दूर रहने व राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सही मायने में भूमिका क्या होनी चाहिए। उन्होंने अपनी सारगर्भित कविताओं के माध्यम से जागरूक किया। संस्था की सदस्य शगुफ्ता परवीन ने साइबर अपराध, इससे बचाव के तरीके व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा अभिव्यक्ति ऐप के बारे में विस्तार से बताया। संस्था की काउंसलर प्रिया गुप्ता ने बच्चों को कैसे अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आगे बढ़ना और बुराइयों से दूर रहना है, इसकी समझाइश दी। कार्यक्रम का संचालन हिना खान ने किया। विद्यालय के प्राचार्य द्वारा सभी वक्ताओं एवं उमंग महिला एवं बाल उत्थान सोसायटी के सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रीना ठाकुर और संध्या सिंह का विशेष योगदान रहा।

आदिवासी अंचल में 77,292 घरों में बिजली पहुंचाने की कवायद में जुटी विष्णु सरकार

छ.ग.फ्रंटलाइन

रायपुर। आदिवासी अंचलों में बिजली से वंचित रह गए घरों में बिजली पहुंचाने के लिए 3 अतिविशिष्ट योजनाओं के माध्यम से 77,292 घरों में बिजली पहुंचाने की कार्ययोजना बनाकर उस पर अमल प्रारंभ कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा इस महती कार्ययोजना पर कार्य किया जा रहा है जिसमें से 2 योजनाएं केंद्र सरकार की है तथा एक योजना छत्तीसगढ़ शासन की है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 426 करोड़ रुपये से अधिक लागत की इन योजनाओं का क्रियान्वयन शीघ्रता से करने के निर्देश दिए है। वहीं छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज के अध्यक्ष रोहित यादव ने तीनों योजनाओं की प्रगति की नियमित तौर पर मानिटरिंग की व्यवस्था की है। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा-अभियान (पीएम जनमन) के अंतर्गत छत्तीसगढ़ की अति पिछड़ी 7 जनजातियों जिनमें अबुझमाड़िया, बैगा, भारिया, पहाड़ी कोरवा, कमार तथा बिरहोर शामिल हैं, इन 7 जनजातियों के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। ग्रिड से विद्युतीकृत गांवों के 7,077 घरों में बिजली पहुंचाने के लिए 37 करोड़ 60 लाख रुपये की लागत से कार्य किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 1,087 बसाहटों में 363.24 किलोमीटर 11 के.वी. लाइन, 267 नग 25 के.वी.ए. क्षमता के वितरण ट्रांसफार्मर तथा 650 किलोमीटर से अधिक निम्नदाब लाइनें बिछाई जा रही है। पीएम जनमन के तहत अभी तक 4,500 घरों में बिजली पहुंचाई जा चुकी है। प्रधानमंत्री जनजाति उन्नत ग्राम अभियान की घोषणा हाल ही में की गई है जिसके अंतर्गत 919 गांवों के 65,711 अविद्युतीकृत घरों में बिजली पहुंचाने के लिए 323 करोड़ 63 लाख रू. की कार्ययोजना को स्वीकृति मिली है। जिसके अंतर्गत 6,863 बसाहटों में 1889.56 किलोमीटर लाइनें, 25 के.वी.ए. क्षमता के 1950 वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित किए जाएंगे तथा 5,188 किलोमीटर से अधिक निम्नदाब लाइनें बिछाई जाएंगी। आदिवासी बहुल गांवों में बिजली पहुंचाने में सबसे बड़ी समस्या वहां के सघन वन क्षेत्र होते हैं। घने जंगलों में बहुत से क्षेत्र पहुंच विहीन होती हैं। इसके अलावा बस्तर के सघन वन क्षेत्रों में विरासत में मिली नक्सलवाद की समस्या भी है जिसके समाधान की दिशा में राज्य सरकार द्वारा केंद्र की मदद से लगातार प्रयास किया जा रहा है। इस मोर्चे पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के कार्यकाल में बड़ी सफलताएं भी मिल रही हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर सुरक्षाबलों की तैनाती केंद्र तथा राज्य शासन द्वारा की गई है।

सरकारी जमीन में बसे एक परिवार को हटाने चल रही जोर-आजमाइश

छ.ग.फ्रंटलाइन

उदयपुर। विकाखखंड में एक परिवार के सदस्यों को गांव से हटाने जोर-आजमाइश चल रही है। बेबश ग्रामीण न्याय की उम्मीद लिए सरगुजा कलेक्टर तक गुहार लगा चुके हैं, लेकिन उनकी सुनने वाला कोई नहीं है। एक परिवार को टारगेट बनाकर बिना नोटिस दिए कब्जा हटाने 18 नवम्बर को कोटवार से मुनादी भी करवाया गया है। ऐसे में ग्रामीण संशय में है कि उन्हें ही सिर्फ क्यों निशाने पर लिया जा रहा है।

मामला उदयपुर मुख्यालय के ग्राम फूलचुही का है। यहां मैदान के लिए सुरक्षित 14 एकड़ सरकारी जमीन के 50 डिसमिल भाग में गांव के सुखदेव यादव पिता सुखलाल यादव का 7 परिवार के सदस्य के अलावा रामजीत यादव के परिवार के 7 व रामलाल यादव के परिवार के 10 सदस्य निवास करते हैं, जिसमें छोटे बच्चे व बुजुर्ग भी शामिल हैं। बस्ती गोंड समाज बहुल है। अन्य जातियों में एक घर यादव परिवार का, एक घर पनिका और एक घर रजवार परिवार का है। 14 एकड़ शासकीय भूमि में शासकीय शिक्षक कुंदसाय पिता अर्जुन, शिक्षक स्व. कृष्णा सिंह पिता अर्जुन, कृषक मानसाय पिता देवमुन सहित अन्य का भी ठिकाना है। सुखदेव यादव का कहना है कि काफी दिनों से उन्हें गांव वाले कमजोर समझकर अवैध कब्जा कहते हुए घर तोड़ने व जमीन से बेदखल करने डरा-धमका रहे हैं। जमीन में लगी फसल को जोत दिया गया, जिससे वे सहम गए हैं। सुखदेव यादव बताते हैं कि वे विगत 50 वर्षों ये यहां निवास कर रहे हैं और 10 वर्षों से कब्जाधारक हैं, इसे नजरअंदाज किया जा रहा है। कलेक्टर जनदर्शन व तहसीलदार से आग्रह के बाद भी उनकी सुनने वाला कोई नहीं है। इनकी मांग है कि अगर कब्जा हटाना है तो सभी का हटाया जाए, न कि सिर्फ उन्हें निशाने पर लिया जाए।

गाय को बचाते जजगा मोड के पास चना बीज लोड ट्रक पलटा, हेल्फर घायल

छ.ग.फ्रंटलाइन

उदयपुर। सरगुजा जिले के उदयपुर मुख्यालय के ग्राम जजगा के पास भीषण हादसा होते-होते बच गया। दुर्घटना में हेल्फर को मामूली चोटें आई है। घटना सोमवार को सायं 5 बजे की है। लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जजगा में अंबिकापुर से टाटा ट्रक क्रमांक सीजी 15 डीएम 9867 का चालक बिलासपुर मार्ग अंबिकापुर से चना बीज लोड कर के उदयपुर अपने रफ्तार में जा रहा था, इसी दौरान अचानक मवेशी के सामने आने से अनियंत्रित होकर वाहन सड़क के किनारे पलट गई। दुर्घटना में ड्राइवर बाल-बाल बच गया, वहीं हेल्पर को चोटिल हुआ है। सड़क में मवेशियों को छोड़ देने से आए दिन हादसे हो रहे हैं, लेकिन प्रशासन इसे लेकर अभी तक गंभीर नहीं हुआ है। चालक ने बताया कि वह अंबिकापुर से चना लोड करके उदयपुर गोदाम पहुंचाने के लिए निकला था। ग्राम जजगा में अचानक सड़क पर मवेशी के आने के कारण वह ब्रेक मारा और वाहन पलट गई।

टाटा एस की ठोकर से एक की मौत, एक का चल रहा उपचार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शादी समारोह में शामिल होने के लिए आए मोटरसायकल सवार ममेरे भाइयों को टाटाएस का चालक ठोकर मार दिया। दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई, एक घायल का उपचार चल रहा है।

जानकारी के मुताबिक प्रतापपुर थाना क्षेत्र के ग्राम चलगली का अनूप सोनी पिता सुरेश सोनी 37 वर्ष, अंबिकापुर में स्थित हरिमंगलम में विवाह समारोह में शामिल होने के लिए ममेरे भाई सुरेश सोनी के साथ आया था। यहां से वापस जाने के निकले थे, इसी दौरान मैरिन ड्राइव के पास टाटा एस वाहन क्रमांक एमपी 20 जीबी 6250 का चालक ठोकर मार दिया। घायलों को होलीक्रॉस अस्पताल लाया गया, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने अनूप सोनी को मृत घोषित कर दिया। सुरेश सोनी का उपचार चल रहा है। अस्पताल से मिली सूचना पर पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है। पुलिस मामले में मर्ग कायम कर ली है।

बीएड प्रथम वर्ष के प्रशिक्षणार्थियों के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाषनगर में सोमवार को प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा के मार्गदर्शन में बीएड प्रथम वर्ष के प्रशिक्षणार्थियों के लिए आदिवासी जनजाति से संबंधित रंगोली, पोस्टर, छत्तीसगढ़ी आभूषण निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम प्रतिमा पैंकरा, द्वितीय अंजली सिंह, तृतीय निहारिका भगत, पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम राज हालदार, द्वितीय चित्ररेश कुमार मरावी, तृतीय ऐश्वर्या रानी भगत, छत्तीसगढ़ आभूषण निर्माण प्रतियोगिता में प्रथम निलकुसुम पन्ना, द्वितीय रश्मि बिशेन, तृतीय अनामिका सिंह रहीं।

छत्तीसगढ़ी भाषा एवं सरगुजिहा बोली पर आयोजित की गई कार्यशाला

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर में प्राचार्य डॉ. रिजवान उल्ला के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में छत्तीसगढ़ी भाषा एवं सरगुजिहा बोली में कविता, कहानी, सुआ, दरिया आदि रचनाओं को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में संस्था के प्राचार्य एवं अपर संचालक उच्च शिक्षा सरगुजा संभाग डॉ. रिजवान उल्ला ने छत्तीसगढ़ी एवं सरगुजिहा बोली के अंतर को स्पष्ट किया। उन्होंने कार्यशाला में आए हुए

रचनाकारों का उत्साह वर्धन करते हुए छत्तीसगढ़ी भाषा रचनाकारों की रचनाओं की प्रशंसा की। डॉ. अनिल सिन्हा ने राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा आयोजित कार्यक्रम की सराहना की। सोन कुमारी सिंह ने स्वरचित सरगुजिहा गीत से सबका मन मोह लिया। चंदन चौहान ने कविता, कलावती सिंह ने में छत्तीसगढ़ महतारी के करव बखान, सीमा तिवारी ने सरगुजिया भजन, शशिलता ने छत्तीसगढ़ी गीत, रोशनी सेन ने कविता, बृजेश प्रजापति ने करमा गीत की प्रस्तुती दी। अन्य छात्र-छात्राओं एवं रचनाकारों ने भी अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग के सदस्य सरगुजा के प्रसिद्ध साहित्यकार रचनाकार एवं गायक रंजीत सारथी, विजय सिंह दमाली व माधुरी जायसवाल ने रचनाकारों की रचनाओं को सुना एवं मूल्यांकन किया। चयनित रचनाओं का प्रकाशन छत्तीसगढ़ी भाषा की पत्रिका में कराया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन अजय गुप्ता, रचित मिश्रा एवं सोन कुमारी सिंह के द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी राजीव कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. अजय पाल सिंह भी उपस्थित थे, उन्होंने अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। इस दौरान शासकीय संगीत महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. मानक टंडन की रचना 'लेढवा' का विमोचन इस अतिथियों ने किया। आयोजन में बड़ी संख्या में महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर